हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 28 अप्रैल 2024

तापमान
अधिकतम 37.0 डिग्री
न्यूनतम 21.4 डिग्री

9 जरूरी सेवाओं में तैनात कर्मचारी पोस्टल ...

10 इंडस पब्लिक स्कूल में अंतर्सदनीय स्पेल बी स्पर्धा

शहर में आज

- पेंशन बहाल संघर्ष समिति की मीटिंग रविवार सुबह नौ बजे स्वामी नित्यानंद पब्लिक स्कूल में होगी।
- परशुराम जन्मोत्सव मनाने को लेकर स्टेडियम के सामने सेक्टर 6 में रविवार दोपहर एक बजे नवीन जयहिंद मीटिंग करेंगे।
- भाजपा की विजय संकल्प रैली जसिया में होगी।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर।
- परम सिद्ध पीठ संकट मोचन धाम धर्मार्थ ट्रस्ट में श्रीमद भागवत कथा सुनाई जाएगी।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

रोहतक। रेलवे स्टेशन के पास रेल की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जीआरपी के एएसआई हरिओम ने बताया कि युवक की उम्र करीब 25 साल है और उसके हाथ पर अंग्रेजी में मोम, डैड लिखा हुआ है। उन्होंने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर पीजीआई डेड हाउस में रखवा दिया गया है और शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि युवक ने चैक शर्ट, लाइट ग्रीन कलर का लोअर पहन रखा था।

मायना के पास ट्रक-बाइक की टक्कर, युवक की मौत

रोहतक। गांव मायना के पास ट्रक व बाइक की टक्कर हो गई। इस दौरान बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के भाई रणजीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दोनों भाई शुक्रवार दोपहर को तूड़ा ढोने वालों की तलाश में निकले थे। रणजीत दूसरी बाइक पर अपने भाई सुशील से 20 कदम की दूरी पर था। इस दौरान झज्जर-रोहतक रोड की तरफ आ रहे ट्रक ने सुशील की बाइक में टक्कर मार दी। जिसके कारण सुशील की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी।

गांव खरावड़ के पास बिजली के तार चोरी

रोहतक। आईएमटी के पास गांव खरावड़ रोड बिजली के खंबे से तार चोरी होने का मामला सामने आया है। गांव पाक्समा निवासी बिजेन्द्र ने आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बिजली निगम में जेई के पद पर कार्यरत है। वह आईएमटी एरिया में बिजली का काम करता है। शुक्रवार की रात आईएमटी के पास खरावड़ रोड पर एक लाइन के खंबे से तार कटे हुए मिले है।

कांग्रेस विधायक ने दो दर्जन कॉलोनियों में दूषित पानी सप्लाई पर दिया था अल्टीमेटम

दूषित पेयजल की शिकायत पर प्रशासन अलर्ट डीसी ने अधिकारियों की बैठक में सुनाई खरी-खरी

शहर में गंदे पानी की शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान किया जाए

- डीसी ने अधिकारियों से शिकायतों पर अपडेट लिया
- नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना पहली प्राथमिकता कोताही को कतई सहन नहीं किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दूषित पेजयल को लेकर हो रही सियासत के बाद डीसी अजय कुमार ने मामले में संज्ञान लिया है। उन्होंने शनिवार को कैंप कार्यालय में नगर निगम और पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों की कैंप कार्यालय में मीटिंग ली। उन्होंने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा ली। साथ ही स्पष्ट आदेश दिए कि शहर में गंदे पानी की शिकायतों का प्राथमिकता पर समाधान किया जाए। जो शिकायतें पहले आ चुकी हैं उन पर स्टेट्स रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा पानी को लेकर शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। अधिकारियों ने आश्वासन दियाकि शिकायतों को दूर करने के लिए कर्मचारी काम कर रहे हैं, जल्द ही समाधान कर दिया जाएगा।

मीटिंग के दौरान उपायुक्त अजय कुमार ने अधिकारियों को पेयजल से संबंधित शिकायतों का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस भी क्षेत्र से पेयजल से संबंधित शिकायत आती है, तो संबंधित विभाग उसे पर तुरंत संज्ञान ले। जरूरत अनुसार अतिरिक्त लेबर लगाकर जल्द से जल्द शिकायतों का निवारण करें। उन्होंने कहा कि लोगों को शिकायत पर कार्रवाई होती नजर आनी चाहिए। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है और इस मामले में किसी भी प्रकार की कोताही को कतई सहन नहीं किया जाएगा।

रोहतक। पेयजल को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए उपायुक्त अजय कुमार। फोटो : हरिभूमि

संयम से काम ले आमजन

जो भी शिकायतें विभाग के पास आती हैं उन पर तत्परता से लेबर लगाकर कार्यवाही की जाती है। ऐसे में आमजन को भी संयम से काम लेना होगा। जो पाइप लाइन पुरानी हो चुकी हैं, पांच साल में उनकी दोबारा जांच करवा लेनी चाहिए। नहर में पानी नहीं होने की वजह से एक समय सप्लाई होगी, इसलिए पानी का दुरुपयोग न करें। कुछ शिकायतें थी जिनको दूर करने के लिए काम चल रहा है। अधिकारी लोगों की समस्या दूर करने के लिए प्रयासरत हैं।
-राजेश रोहिल्ला, एसडीओ, पब्लिक हेल्थ

पब्लिक हेल्थ अधिकारी बोले-जल्द करेंगे समाधान

बैठक में जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक विभाग को पेयजल से संबंधित जो भी शिकायतें मिली हैं उन पर कार्य प्रगति पर है और सभी शिकायतों का समाधान कुछ दिन में ही हो जाएगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि मौजूदा समय में नगर के चारों जल घरों में पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है। आमजन की शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जाएगी।

डीसी ने इन समस्याओं पर ली रिपोर्ट

उपायुक्त अजय कुमार ने मॉडल टाउन में गुलाटी स्वीट्स के साथ वाली गली और डीएलएफ कॉलोनी में एसबीआई के सामने वाली गली से मिली पेयजल की शिकायत के बारे में अधिकारियों से जवाब तलब किया और दिशा-निर्देश जारी किए। अधिकारियों ने उपायुक्त को बताया कि ज्यादातर शिकायतों में गंदे पानी का फाल्ट ढूंढने पर पता चला है कि इसका मुख्य कारण घरों के पेयजल कनेक्शन है, जिन्हें विभाग द्वारा दुरुस्त किया गया है।

यह है मामला

दो दिन पहले ही कांग्रेस के शहरी विधायक बीबी बत्रा ने दो दर्जन कॉलोनियों में दूषित पेयजल की सप्लाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जिससे वे बीमार पड़ रहे हैं। उन्होंने कॉलोनियों के नाम भी जारी किए थे। साथ ही जिला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया था कि सोमवार तक पानी की समस्याएं दूर न हुई तो वे बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा कई कॉलोनियों के लोगों ने भी शिकायत में दूषित पेयजल सप्लाई के आरोप लगाए थे।

24 दिन में आएगा नहर में पानी

इस समय जेएलएन और भालौठ सब ब्रांच नहर में पानी की सप्लाई बंद है। उसमें कुछ फुट तक पानी स्टोर किया गया है। गर्मी के सीजन में 24 दिनों में नहर में पानी की आपूर्ति होती है, जिस समय अवधि में नहर में पानी नहीं होता उसे समय पेयजल की एक समय में आपूर्ति की जाती है। जबकि नहर में पानी की आपूर्ति के दौरान नियमित रूप से वैकल्पिक दिवस पर दो समय पानी की सप्लाई दी जाती है। चारों जलघरों में पानी भरा हुआ है। किसी प्रकार की किल्लत नहीं है।

भाली आनंदपुर में पुलिस कर्मियों को बंधक बनाकर की मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव भाली आनंदपुर रेलवे स्टेशन के पास आप्रेशन आक्रमण के तहत पुलिस कर्मचारियों को बंधक बनाकर मारपीट की गई। कुलदीप ने बहुअकबरपुर थाने में पुलिस को दी शिकातय में बताया कि शनिवार को आप्रेशन आक्रमण के तहत भाली आनंदपुर रेलवे स्टेशन पास पहुंचे तो बिल्डिंग मेटेरियल बनाने वाले सप्लायर के ऑफिस का आधा शटर खुला मिला। इस दौरान अंदर से तेज आवाज आ रही थी। ऑफिस में आवाज दी तो अंदर लड़ाई झगड़ा हो रहा था। शटर उठाकर देखा तो अंदर दो लड़के आपस में गाली-गलौच कर रहे थे। इसके बाद आरोपितों ने पुलिस को पकड़ लिया और कहा कि अंदर कैसे आए हो। इसके बाद पुलिस कर्मचारियों के साथ हाथापाई करने लगे और बंधक बनाकर मारपीट की। पुलिस कर्मचारियों ने दो आरोपितों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन नहीं माने है। हेड कांस्टेबल कुलदीप ने बताया कि यह दुकान अमित की है और अक्सर यह दोनों लड़कें रातभर बैठकर शराब पीते और अमित यहां पर शराब बेचने का काम भी करता है। वहीं पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ की ड्यूटी में बाधा पहुंचाने व पुलिस को बंधक बनाकर मारपीट करने के आरोप में केस दर्ज करक लिया है।

शराब के नशे में बाइक सवार ने पुलिस की गाड़ी में टक्कर मारी

महम। राजा वाली सड़क पर पुलिस की डायल 112 नंबर गाड़ी में एक युवक द्वारा टक्कर मारने का मामला प्रकाश में आया है। महम थाने में दी शिकायत में सिपाही बुधराम ने बताया कि वह पुलिस की डायल 112 नंबर गाड़ी पर तैनात था। उसके साथ ईएसआई जोगिंद्र बतौर इंचार्ज हाजिर थे। वे नेशनल हाईवे 9 से राजा वाली सड़क पर सैम्पल गांव के लिए चले थे। रास्ते में गांव बसाना की ओर से एक मोटर साइकिल आ रही थी। मोटर साइकिल चालक ने तेज गति से और लापरवाही से अपनी मोटर साइकिल चलाते हुए उनकी गाड़ी के सामने ड्राइवर साइड में टक्कर मार दी। बाइक चालक की पहचान खरकड़ा गांव निवासी अंकित पुत्र सुरेश के रूप में हुई।

नामांकन के दौरान कानून-व्यवस्था के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात

रोहतक। जिला मजिस्ट्रेट अजय कुमार ने आगामी लोकसभा चुनाव में नामांकन पत्र भरने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से तिथि वार ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार 29 अप्रैल, 2 मई व 5 मई को बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी रोहतक राजपाल चहल की ड्यूटी रहेगी। इसी प्रकार 30 अप्रैल, 3 मई व 6 मई को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में जिला राजस्व अधिकारी कनब की ड्यूटी रहेगी। आदेशों में बताया गया है कि रोहतक के नायब तहसीलदार बंसीलाल 1 व 4 मई को बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आदेश जारी किए गए है।

काले बिल्ले लगाकर नारेबाजी

रोहतक। काले बिल्ले लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्वाइंट एक्शन कमेटी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पीजीआई में ओपीडी के समय में बदलाव को लेकर 24वें दिन भी विरोध-प्रदर्शन

रोहतक। पिछले 24 दिन से ओपीडी के समय में बदलाव को लेकर काले बिल्ले लगा कर प्रदर्शन जारी रहा। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के आह्वान पर पीजीआई के कर्मचारी पीजीआई की ओपीडी के समय बदलने के विरोध में काले बिल्ले लगा कर अपना रोष प्रकट कर रहे हैं। एमबीबीएस , बीडीएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल के छात्र भी जुड़ चुके हैं। पिछले 24 दिनों से सरकार से ओपीडी के समय में बदलाव की मांग कर रहे हैं लेकिन उसके बावजूद भी अभी तक सरकार की तरफ से उन्हें कोई आश्वासन नहीं मिला। सरकार से कोई आश्वासन न मिलने के चलते आज भी पीजीआईएमएस के सभी चिकित्सकों व कर्मचारियों ने काले बिल्ले लगाकर अपना विरोध जताया। जाइंट एक्शन कमिटी ने कहा है अगर सरकार बिलकुल बात नही मानेगी तो फिर आंदोलन को नए स्तर पर लेकर जाया जायेगा जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह से की जाएगी।

कार और स्कूटी की टक्कर, महिला की मौत

रोहतक। सेक्टर-2 के पास एक कार व स्कूटी की टक्कर हो गई। टक्कर लगने के कारण स्कूटी सवार महिला घायल हो गई। घायल महिला को राहगीरों की मदद से से पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया। जहां पर महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस को विनय नगर निवासी महिला के पति विरेंद्र ने बताया कि उसकी पत्नी मंजू बाला मेरे आफिस सेक्टर दो पार्ट टू में खाना देने के लिए आती रहती थी। शनिवार को पत्नी जब खाना देने के लिए स्कूटी से आफिस आई और फिर वापस जाने लगी तो सेक्टर दो की पुलिया पार कर रही थी तो एक कार चालक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपित गाड़ी चालक ने महिला को पीजीआईएमएस के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया और मौके से फरार हो गया। इसके बाद उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी।

डोर टू डोर अभियान | निगम को 30 प्रतिशत कार्य पूरा करने का मिला है टारगेट

कैंप लगाकर प्रॉपर्टी रिकार्ड किया अपलोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रॉपर्टी आईडी रिकार्ड अपलोड करने के लिए नगर निगम द्वारा कैंप लगाने का सिलसिला जारी है। निगम को 30 प्रतिशत कार्य का टारगेट पूरा करना है। इसके अलावा निगम द्वारा हर वार्ड में डोर टू डोर कर्मचारियों को भेजा जा रहा है। शनिवार को टीम ने गांव बोहर और बलियाना में टीम ने कैंप लगाकर प्रॉपर्टी की जानकारी ली। अब तक करीब 35 हजार लोगों की जानकारी अपलोड की गई है।

विगत दिनों ही निगम आयुक्त अजय कुमार ने टैक्स ब्रांच की मीटिंग ली थी। जिसमें पूरे शहर की प्रॉपर्टी का रिकार्ड पोर्टल पर अपलोड करने के आदेश जारी किए गए थे। तभी से कैंप लगाए जा रहे हैं और कर्मचारियों को हर वार्ड में लोगों के घर भेजा जा रहा है।

यहां भी लगेंगे कैंप

28 अप्रैल को मोर वाली चौपाल, गॉव खेड़ी साध व जाट भवन, सैक्टर-1 में कैंप लगाए जाएंगे। जबकि 29 अप्रैल को तिलक नगर धर्मशाला व श्री ओमकारेश्वर मंदिर झंग कालोनी में कैंप लगाया जाएगा। 30 अप्रैल को मातुराम सामुदायिक केंद्र, गांधी नगर व बाबा मूला संत मंदिर आर्य नगर में कैंप लगेगा। एक मई को जैन धर्मशाला रेलवे रोड व श्री राम धर्मशाला, नजदीक पुराना बस स्टैंड पर कैंप लगेगा। दो मई को जागरण पार्क, जनता कालोनी व सनातन धर्म बारात घर, शिवाजी कालोनी में कैंप का आयोजन किया जाएगा। साथ ही तीन मई को शिव पार्वती मंदिर, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड भगवती चौक पार्क के पीछे व डॉ भीम राव अम्बेडकर पार्क झज्जर चुंगी पर कैंप लगेंगे। इसके अलावा चार मई को कन्या वरिष्ठ माध्यामिक विद्यालय, मैन अड्डा सुनारिया कला में कैंप लगना तय हुआ है।

जरूर दें प्रॉपर्टी की जानकारी

आमजन से अपील की जा रही है कि यदि आपकी सम्पत्ति का विवरण सही है तो नगर निगम द्वारा लगाए जा रहे कैंप में सम्पति की सूचना स्वतः प्रमाणित अवश्यक करवाएं। ऐसा करने से कोई अन्य व्यक्ति आपकी प्रॉपर्टी आईडी पर अपना आवेदन नहीं कर सकता। न ही कोई प्रॉपर्टी आईडी के सम्बंध में सूचना प्राप्त कर सकता है और न ही अन्य कोई आपकी प्रॉपर्टी आईडी का नो डयूज ले सकता है। इसलिए प्रॉपर्टी की जानकारी जरूर दें। -अजय कुमार, आयुक्त, नगर निगम

40 स्कूलों के 650 बच्चों ने समझाया, पर्यावरण ही जीवन

हरिभूमि सरोकार

शहीद मदन लाल ढींगरा कम्यूनिटी सेंटर में पोस्टर प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

ऐसे चली प्रतियोगिता

रोहतक। हरिभूमि द्वारा पर्यावर्ण संरक्षण को लेकर करवाई गई पोस्टर प्रतियोगिता में 40 स्कूलों के करीब 640 बच्चों ने हिस्सा लिया। सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक पोस्टर और स्लोगन बनाए।

कार्यक्रम के दौरान पीटीसी सर्कल की सीईओ तरुणा गर्ग और मैनेजिंग डायरेक्टर गीतिका को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलपति गजेंद्र चौहान।

पोस्टर प्रतियोगिता में सहयोगी रहे करियर प्वाइंट कोटा के निदेशक आशुतोष कौशिक को स्मृति चिह्न देते कुलपति गजेंद्र चौहान और एलपीस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन।

एएमएस ग्लोबल एकेडमी के डायरेक्टर मनीष कुमार को स्मृति चिह्न देते कुलपति गजेंद्र चौहान और समाजसेवी व उद्योगपति राजेश जैन।

पोस्टर प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक मंडल की भूमिका निभाने वाले मदवि के डिपार्टमेंट ऑफ विजुअल आर्ट्स के प्रोफेसर एंड हेड संजय कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन कुमार और सुपवा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जगशीर का स्वागत करते हरिभूमि के विज्ञापन प्रबंधक आनंद कुमार।

कार्यक्रम के दौरान एक सवाल का जवाब देने पर छात्र लक्ष्य को विशेष रूप से मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण बचाने को सामूहिक प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पोस्टर के जरिए स्कूली बच्चों ने पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। सेव वाटर बिफोर इट्स टू लेट, यूज पेपर बैग, डोंट कट ट्री, सेव एनवायरनमेंट फॉर यूअर ब्राइट फ्यूचजर आदि विषयों पर पोस्टर बनाकर 40 स्कूलों के लगभग 640 विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। हरिभूमि के सौजन्य से पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन शहीद मदन लाल ढींगरा कम्यूनिटी सेंटर में हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलपति गजेंद्र चौहान रहे और अध्यक्षता एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने की। दो घंटे चली प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी ने उम्दा प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल ने पोस्टर पर दिए संदेश को बारीकी से जांचकर प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता घोषित किए।

ये रहे सहयोगी

प्रतियोगिता में एलपीएस बोसार्ड,प्रा. लि. पीटीसी सर्कल, आईटी सर्विस प्रा. लि. , एएमएस ग्लोबल एकेडमी, करियर प्वाइंट कोटा, बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर, यूपीएस लक्ष्मी रहे।

रोहतक। शहीद मदन लाल ढींगरा कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित प्रतियोगता के दौरान पोस्टर बनाकर पर्यावरण बचाने का संदेश देते बच्चे।

सुबह 9 बजे एंट्री शुरू हुई

प्रतिभागी सुबह नौ बजे से ही कम्यूनिटी सेंटर पहुंचने शुरू हो गए। सभी प्रतिभागी अपने स्कूली अध्यापकों के साथ पहुंचे। जहां सभी को रजिस्ट्रेशन नंबर देने के बाद परीक्षा के स्थान पर बैठाया गया। दस बजे प्रतियोगिता शुरू हुई और 12 बजे समापन हुआ। बच्चों ने प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। सभी बच्चों ने पेंटिंग से संदेश दिया कि हमें ऐसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेते रहना चाहिए। बच्चों ने पेड़ न काटने, एनर्जी बचाने के अलावा बारिश के पानी को संरक्षित करने का भी संदेश दिया। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग न करने और प्रदूषण न फैलाने की भी अपील की।

स्लोगन से समझाया पर्यावरण का महत्व

प्रतियोगिता में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने लव द नेचर एज मच एज यू लव यूअरसेल्फ, सेव वाटर, सेव प्लांट्स, सेव एनर्जी, स्टोप पॉल्यूशन, यूज कैनवस शॉपिंग बैग्स, इट लेफ्ट ऑवर, यूज ट्रैश मी, डू नॉट कट ट्रीज, ग्रो प्लांट्स, डू नॉट लिटर, गो ग्रीन, सेव एनीमल्स, सेव वाटर सेव लाइफ आदि स्लोगन के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अलावा बच्चों ने सेव रिसोरर्सिज फॉर द बेस्ट, सेव एट यूअर फ्यूचर, वेस्ट द रिसोरर्सिज फॉर यूअर वारस्ट के जरिए पर्यावरण को होने वाले नुकसान और फायदे भी बताए।

बारीकी से अवलोकन किया

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. संजय कुमार, प्रोफेसर एंड हैड डिर्पाटमेंट ऑफ विजुएल आर्ट्स एमडीयू, डॉ. जगदीश, असिस्टेंट प्रोफेसर दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, डॉ. प्रवीण कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ विजुअल आर्ट्स एमडीयू रहे। जिन्होंने प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए पोस्टर का अवलोकन किया।

ये रहे रिजल्ट

स्कूल	विजेता
महेंद्र मॉडल स्कूल, रोहतक	निधि
जेपी इंटरनेशनल स्कूल, सनसिटी	नेहल
महेंद्र मॉडल स्कूल	दिशा
इंटरनेशनल भारती स्कूल	दिया
बाबा मस्तनाथ सैनिक स्कूल, अस्थल बोहर	दिव्या
जीबीसी सीनियर सेकेंड. स्कूल	कल्पना
शिक्षा भारती विद्यालय, राम नगर	निलिशा
नवयुग स्कूल, नेहरू कॉलोनी	शुभम
जॉन वेस्ले कॉन्वेंट,	सुशेन
जॉन वेस्ले कॉनेंट, गोहाना रोड	हरि प्रिया
महेंद्र मॉडल स्कूल, रोहतक	रचना
इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड	अनुष्का
विकल्प पब्लिक हाई स्कूल	जिया
नवयुग स्कूल, नेहरू कॉलोनी	प्रभजोत सिंह
जॉन वेस्ले कॉनेंट, गोहाना रोड	आन्या
आर्यन ग्लोबल स्कूल, करौंथा	पावनी
सांगवान इंटरनेशनल स्कूल, गोहाना रोड	योशना
जैन स्कूल, रोहतक	छवि
एचडी पब्लिक स्कूल, बहुअकबरपुर	तन्वी
द आर्यन ग्लोबल स्कूल, करौंथा	निकिता
एसएम स्कूल, जींद बाईपास	वंशिका

हर बच्चा क्रिएटिव : गजेंद्र चौहान

दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलपति गजेंद्र चौहान ने कहा कि हर बच्चा क्रिएटिव है। बच्चा घर में अगर अपने माता-पिता, भाई, बहन से जिद करता है तो ये जिद बच्चे को अपने काम के लिए करनी चाहिए। चौहान ने कहा कि 1 से 6 मई से सुपवा में एनुअल नैचरल गैलरी है। स्कूलों अपने बच्चों को प्रोफेशनल वर्कशॉप में जरूर लेकर आएं।

पर्यावरण बिना सृष्टि नहीं : राजेश जैन

एलपीस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की भी बात कही। साथ ही कहा कि पर्यावरण के बगैर सृष्टि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हरिभूमि का ये बहुत अच्छा प्रयास है। ऐसी प्रतियोगिताएं होती रहनी चाहिए, इससे जागरूकता आती है। भावी पीढ़ी बचाने के पर्यावरण बचाने के लिए आगे आएगी।

संदेश इफेक्टिवः संजय जैन

संजय कुमार ने कहा कि पोस्टर, स्लोगन सोसायटी तक इफेक्टिव मैसेज पहुंचाता है। इससे एक्पैरीमेंटल तरीक से संदेश दिया जाता है। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपनी अभिव्यक्ति के जरिए समाज में प्रभावशाली जागरूकता संदेश दिया जा सकता है। उन्होंने सभी के प्रयास की सराहना की।

पोस्टर प्रतियोगता की विजेता महेंद्रा मॉडल स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा निधी को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत करते सुपवा के कुलपति गजेंद्र चौहान और एलपीएस बोसार्ड के निदेशक राजेश जैन।

बाबा मस्तनाथ सैनिक स्कूल की 7वीं कक्षा की छात्रा को किया गया पुरस्कृत।

शिक्षा भारती विद्यालय की 8वीं कक्षा की छात्रा निलिशा को पुरस्कृत किया गया।

जॉन वेस्ले कॉनेंट स्कूल, गोहाना रोड की 9वीं कक्षा की छात्रा हरि प्रिया पुरस्कृत की गई।

10वीं कक्षा की कैटेगरी में विकल्प स्कूल की छात्रा जिया ने बाजी मारी।

करौंथा के आर्यन ग्लोबल स्कूल की छात्रा पावनी 11वीं कक्षा की कैटेगरी में प्रथम रही।

एचडी पब्लिक स्कूल, बहु अकबरपुर की 12वीं कक्षा की छात्रा तन्वी प्रथम आने पर पुरस्कृत।

गंदगी न फैलाएं : निहारिका

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय की सातवीं कक्षा की छात्रा निहारिका ने गंदगी न फैलाने की बात कही। निहारिका ने कहा कि गंदगी फैलाने से पर्यावरण का भयंकर नुकसान पहुचंता है। वातावरण में गंदगी होगी तो सांस लेना भी दुभर हो जाता है और बीमारी मनुष्य को घेर लेती हैं। इसलिए हमें स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण जरूरी : जिया

इसके अलावा एएमएस अकादमी की 11वीं कक्षा की छात्रा जिया ने कहा कि हम अपनी जरूरतों के लिए पेड़ों को काट रहे हैं, यह चिंता का विषय है। जिया ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन में बहुत महत्व रखते हैं इनमें हमें आक्सीजन मिलती है। पेड़ों को काटने की वजह से ही ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। कैंसर जैसी बिमारियां उत्पन्न हो रही हैं। इसलिए पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए पेड़ों को न काटा जाए।

सामूहिक प्रयास जरूरीः गरिमा

मॉडल स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा गरिमा ने कविता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। गरिमा ने समझाने का प्रयास किया कि पर्यावरण बचाने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। एक मुहिम के तहत काम करना होगा, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रह सकता है। पर्यावरण सुरक्षित और शुद्ध नहीं नहीं रहेगा तो जीवन भी नहीं होगा।

रोहतक। प्रतियोगिता के दौरान कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न स्कूलों से आए अध्यापकगण और स्टाफ सदस्य।

प्रतियोगिता में मंच संचालन मीनाक्षी ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से सीखने को मिलता है।

रोहतक। हरिभूमि द्वारा शहीद मदन लाल ढींगरा कम्यूनिटी सेंटर में पर्यावरण बचाओ विषय पर करवाई गई पोस्टर प्रतियोगिता में पोस्टर बनाते बच्चे। सभी ने पर्यावरण स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

खबर संक्षेप

महिला को झांसे में ले सोने की बालियां लेकर फरार

गोहाना। शहर में आंबेडकर चौक में एक व्यक्ति ने रास्ता पूछने के बहाने एक महिला रोक लिया। इसके बाद वह उससे बातचीत करने लगा और उसे झांसे में ले लिया। वह महिला के सोने की बालियां लेकर फरार हो गया। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। विष्णु नगर की सुदेश ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से आंबेडकर चौक की तरफ गई थी।

खड़े ट्रक से सरसों से भरी 13 बोरियां चोरी

गोहाना। शहर में हैफेड के वेयर हाउस के बाहर खड़े ट्रक से सरसों से भरी 13 बोरियां चोरी कर ली गईं। ट्रक चालक की शिकायत पर शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। महेंद्रगढ़ जिले में गांव डाडोत के अनिल कुमार ने पुलिस को बताया कि वह ट्रक चलाता है। ट्रक में अटेली मंडी से सरसों से भरी 785 बोरियां भरकर गोहाना में हैफेड के वेयर हाउस के लिए चला था। उसने रात को ट्रक को वेयर हाउस के बाहर खड़ा किया और सो गया। सुबह ट्रक से सरसों से भरी 13 बोरियां गायब मिली।

गुरु तेग बहादुर साहब का प्रकाश दिवस आज

सोनीपत। गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब राज मोहल्ला सोनीपत में श्री गुरु तेग बहादुर साहब का प्रकाश दिवस रविवार को मनाया जाएगा। प्रातः 9:00 बजे अखंड पाठ साहब की समाप्ति होगी। इसके उपरांत स्त्री सत्संग सभा द्वारा सुखमनी साहब के पाठ किए जाएंगे। भाई करतार सिंह एवं साथी दिल्ली से गुरुद्वारा साहिब के पहुंचेंगे। समाप्ति उपरांत गुरु का लंगर वरताया जाएगा। 29 अप्रैल को श्री गुरु तेग बहादुर साहब का एवं 30 अप्रैल को श्री गुरु अर्जन देव का प्रकाश दिवस है। इस उपलक्ष में 5 मई को गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब सेक्टर 15 में बड़ी धूमधाम से कीर्तन समागम मनाया जाएगा। जिसमें भाई गुरप्रीत सिंह हजूरी रागी श्री दरबार साहिब अमृतसर वाले पहुंचेंगे।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस ने गांव धनाना से एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। वह बाइक को बेचने की फिराक में घूम रहा था। हवलदार नसीब पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। उनको सूचना मिली की गांव धनाना में आश्रम के निकट इसी गांव का सुरेंद्र चोरी की बाइक लेकर घूम रहा है और बेचने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और युवक को काबू कर दिया। उसने दस्तावेज पेश नहीं किया।

पिपलीखेड़ा से अवैध शराब के साथ व्यक्ति दबोचा

गन्नौर। बड़ी औद्योगिक थाना पुलिस ने अवैध शराब सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मधुसूधन मोहंतो रायगंज, पश्चिम बंगाल हाल गांव पिपली खेड़ा का रहने वाला है। बड़ी थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम पिपली खेड़ा रोड पर गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति परचून की दुकान के बाहर कट्टे में शराब रख कर उन्हें अवैध रूप से बेच रहा है।

जरूरी सेवाओं में तैनात कर्मचारी पोस्टल बैलेट से कर सकेंगे मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला विकास भवन स्थित जिप कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली

- अयोग पोस्टल बैलेट फार्म नंबर 12बी जारी कर रहा
- आगामी 7 दिन में पूर्ण विवरण सहित जिला परिषद कार्यालय में जमा करवा सकेंगे

जिला परिषद के कार्यालय में संबंधित विभागों के स्टाफ की बैठक लेते जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम चुनाव 2024 में मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए अनेक सुविधाएं प्रदान की है। इन्हीं सुविधाओं के तहत आवश्यक सेवाओं में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को मतदान करने की सुविधा देने के लिए पोस्टल बैलेट जारी करने की सुविधा शुरू की गई है।

महेश कुमार जिला विकास भवन स्थित जिला परिषद के कार्यालय में संबंधित विभागों के स्टाफ के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। महेश कुमार ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में तैनात स्टाफ को छोड़कर अन्य आवश्यक सेवाओं में तैनात स्टाफ को निर्वाचन कार्यालय द्वारा पोस्टल बैलेट फार्म नंबर 12बी जारी किए जा रहे हैं, जो आगामी 7 दिन में पूर्ण विवरण सहित भरकर जिला परिषद कार्यालय में जमा करवाने होंगे। चुनाव ड्यूटी में तैनात स्टाफ को चुनाव ड्यूटी सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे, जिसके आधार पर वे ड्यूटी पर तैनात रहते हुए इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से ड्यूटी स्थल से ही मतदान कर सकेंगे।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार के आदेशानुसार ऐसे स्टाफ को पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा के तहत सुविधा केंद्र स्थापित किया जाएगा। पोस्टल बैलेट जारी होने के बाद संबंधित कर्मचारी या अधिकारी केवल पोस्टल बैलेट के माध्यम से ही अपनी वोट डाल सकेंगे तथा इस स्टाफ को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से वोट डालने की अनुमति नहीं होगी।

आवश्यक सेवाओं में तैनात सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने साथी कर्मचारियों को भी पोस्टल बैलेट जारी करवाने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल हो सकें। लोकतंत्र में प्रत्येक वोट का बहुत महत्व है तथा ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं के मतदान करने से लोकतंत्र और मजबूत होगा।

रोहतक। निशानेबाज खिलाड़ी चित्रांशी शर्मा को बधाई देते विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक। फोटो :हरिभूमि

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट की उभरती निशानेबाज चित्रांशी का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट विद्यालय की उभरती निशानेबाज चित्रांशी शर्मा ने भोपाल में भारतीय टीम के लिए चल रहे ट्रायल में शानदार प्रदर्शन किया व भारतीय शूटिंग टीम में शामिल होने की तैयारी की। कक्षा 12वीं एंबीशन की छात्रा चित्रांशी शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 600 में से 577 अंक बटोर कर अपनी दूरदर्शिता सटीकता व बुद्धिमता का परिचय दिया और उच्च मुकाम हासिल किया। जीत का जश्न मनाते विद्यालय पहुंचने पर सभी ने बड़े जोर-शोर से उसका भव्य स्वागत किया और उस बेहद प्रसन्नता व्यक्त की विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। सीबीएसई नेशनल व स्टेट चैंपियनशिप में 4 पदक जीत कर बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाली चित्रांशी शर्मा का लक्ष्य भारतीय टीम में शामिल होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक जीतना है। विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने चित्रांशी शर्मा की इस उपलब्धि पर बधाई देते सफलता की ऊंचाइयां छूने का आशीर्वाद दिया। कहा कि यदि बच्चों को सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अभिभावकों का समर्थन मिले तो वे ऊंचे मुकाम तक पहुंचते हैं और अपने क्षेत्र, विद्यालय परिवार का नाम रोशन करते हैं। डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक, अध्यापक संदीप राठी, कृष्णा देवी सुमित बत्रा रुचि व हर्ष मदान उपस्थित रहे।

पठानिया वर्ल्ड कैंपस में क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो:हरिभूमि

पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के लिए क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन गीता और राजकुमार चोपड़ा के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न आकृतियां जैसे फूल, मोर, बत्तख, तितली, गणेश, शिवलिंग व सीनरी आदि बनाकर अपनी कला को दर्शाया। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को निखारती हैं और उनमें आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में अवश्य भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या सुनीता मोर, मुख्याध्यापिका सुमन राठी, कोर्डिनेटर रजनी गुलाटी, नीरू खुराना एवं एक्टिविटी इंचार्ज कोमल बुट्टन ने बच्चों की हौंसला अफजाई की तथा उन्हें इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

डीक्रस्ट के शिक्षकों ने सौंपा मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल की टीचर एसोसिएशन ने राई के विधायक मोहन लाल बडौली को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में डीकूटा ने आरोप लगाया है कि कुलपति प्रदेश सरकार के नियमों की अवहेलना करने के साथ ही साथ विश्वविद्यालय एक्ट की धज्जिया उड़ा रहे हैं। कुलपति द्वारा पुरानी रिसर्च पॉलिसी पर रोक व नई पॉलिसी लागू न होने से रिसर्च के लिए आबंटित बजट लैप्स हो गया। डीकूटा ने कुलपति पर विश्वविद्यालय का माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। डीकूटा का कहना है विद्यार्थियों के हितों के लिए व विश्वविद्यालय बचाने के लिए धरना व रोष प्रदर्शन जारी रहेगा। डीकूटा ने ज्ञापन में कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की प्रमोशन पॉलिसी होल्ड पर है। यहां तक कि प्रदेश सरकार ने 30 जून 2023 तक के प्रमोशन पुरानी पॉलिसी के तहत करने के आदेश दिए थे।

एचडी स्कूल बहुअकबरपुर की छात्रा तन्वी ने 'हरिभूमि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किया अव्वल स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

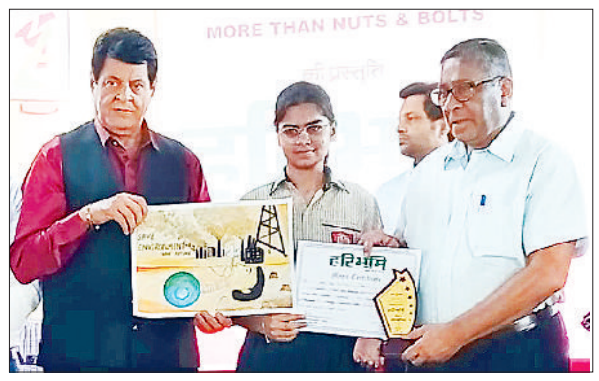

रोहतक। छात्रा को स्मृति-चिह्न व प्रमाण-पत्र भेंट करते मुख्यातिथि।

बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल की छात्रा तंवी ने हरिभूमि द्वारा आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता' में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता पुरानी आईआईटी के पास शहीद मदन लाल धींगरा कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित की गई। ललित कला विशेषज्ञ प्रदीप व नीरज ने बताया कि इस प्रतियोगिता में रोहतक जिले के आस-पास के लगभग 40 से ज्यादा विद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। जिसमें तन्वी ने सबकों मात देते हुए अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रथम स्थान प्राप्त किया। हरिभूमि की तरफ से छात्रा को स्मृति-चिह्न व प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फौगाट ने विद्यालय पहुंचने पर विजयी छात्रा व ललित कला विशेषज्ञ प्रदीप व नीरज को बधाई दी व छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में छात्रों के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता है। जिसमें एचडी संस्थान हर तरह से छात्रों को सहयोग करता है।

रोहतक। दूषित पेयजल की समस्या दूर करने की मांग करते पुरानी अनाजमंडी के निवासी। फोटो:हरिभूमि

पुरानी अनाजमंडी में दस महीने से दूषित पेयजल समस्या,जताया रोष

- कई बार कर चुके शिकायत नही हो रहा समस्या का समाधान
- जल्द से जल्द स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुरानी अनाजमंडी में दूषित पेयजल की समस्या दस माह से बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने शिकायत में बताया कि पिछले 8-10 दिनों से पीने का पानी ही नहीं आ रहा। पहले जो थोड़ा बहुत पानी आ रहा था वो बिल्कुल गंदा और बदबूदार था। उन्होंने पहले भी कई बार शिकायत की लेकिन किसी कारण से कोई समाधान नहीं हो पाया। शिकायतकर्ता विकास, निकेश, अरुण, विकास, हंस राज, अमित, अरुण, दीपक, संजय, अतुल, दीपू, मोनू ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द स्वच्छ पानी हमें उपलब्ध करवाया जाए। पुरानी अनाजमंडी में कई महीनों से दूषित पेयजल की समस्या बनी हुई है।

एचडी स्कूल ने जीते कई पदक

रोहतक। बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र शब्द ने अंडर-17 में कांस्य पदक व पांचवीं कक्षा के सार्थक ने अंडर-11 में रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह स्केटिंग प्रतियोगिता फिटनेस राइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सौजन्य से 20 अप्रैल को स्पोरबीट स्पोर्ट्स अकादमी गुरूग्राम में आयोजित की गई थी। स्केटिंग कोच ललित प्रजापति के प्रशिक्षण में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त की। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फौगाट ने विद्यालय पहुंचने पर विजयी छात्रों व खेल कोच ललित प्रजापति को बधाई दी व छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। फोटो:हरिभूमि

प्रेम स्वतः स्वाभाविक है, कोशिश करके नहीं किया जा सकता : स्वामी विश्वेश्वरा नंद

डॉक्टरों की टीम को सम्मानित करती गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में साध्वी गायत्री के 8वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास स्वामी विश्वेश्वरानंद महाराज ने व्यास मंत्र से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेम स्वतः है स्वाभाविक है। कोशिश करके नहीं किया जा सकता, बल्कि इसकी व्यवस्था बनाओ। उन्होंने कहा कि मानव को कथा संतों के प्रवचनों का पालन और उस पर अमल करना बहुत जरूरी है। सत्संग भी धर्माचरण के अंतर्गत ही आता है। धर्माचरण का अभ्यास व्यक्ति सदा करे पर प्रेम तो उसे प्रसाद के रूप में प्राप्त होता है। वो अपने आप प्रकट होता है। महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को कहा कि नंद महोत्सव प्रभु का महोत्सव है इसको परिवारिक रुप देकर पुण्य के भागी बने। **आज लगेगा नेत्र जांच शिविर:** संकट मोचन मंदिर में 28 अप्रैल को सुबह 10 बजे आंखों की जांच का कैंप लगेगा, डॉ. ओमवीर राठी व उनकी टीम द्वारा मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी।

रोहतक। विदाई पार्टी के दौरान विद्यार्थियों के साथ कॉलेज प्रिंसिपल प्रोफेसर भीम सिंह पवार व अन्य प्रोफेसर। फोटो :हरिभूमि

मनीषा को मिस फाइनल और मिस्टर फाइनल मोहित को चुना

सैनी डिग्री कॉलेज में विदाई पार्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सैनी डिग्री कॉलेज में शनिवार को जूनियर्स ने सीनियर को विदाई पार्टी दी। जिसमें बीए अंतिम वर्ष की छात्रा मनीषा को मिस फाइनल और मिस्टर फाइनल मोहित को चुना गया। कॉलेज के हाल में प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने पार्टी के लिए तैयारी पूरी कर सभी सीनियर्स को तिलक लगाकर वेलकम किया। प्रिंसिपल प्रोफेसर भीम सिंह पवार ने अंतिम वर्ष के छात्रों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि छात्र जीवन के अंतिम दौर में ऐसे आयोजन जरूरी है। प्रिंसिपल ने जोर देकर कहा कि डिग्री मिलने के बाद प्रयास करें कि अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और अपने माता-पिता व कॉलेज का नाम रोशन करें। पार्टी में छात्र-छात्राओं ने हरियाणवी, सोलो व विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के साथ पार्टी में रंग जमाया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों के साथ छात्र राजवीर सैनी, शुभम, अनमोल, अभिषेक, रिया, गरिमा, टीया, मनीष, नेहा, निकिता व प्रीति मौजूद रहीं।

16वीं जिला स्तरीय जंप रोप प्रतियोगिता संपन्न

एस पब्लिक स्कूल बना जंप रोप का ऑल ओवर विजेता

- जिले के 30 स्कूलों से 450 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा जंप रोप संघ के तत्वधान में आयोजित 16 वीं जिला स्तरीय जंप रोप प्रतियोगिता शनिवार को संपन्न हो गई। प्रतियोगिता के आयोजक सचिव अनूप राठी ने बताया कि इसमें जिले से 30 स्कूलों से 450 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। राठी ने कहा कि स्पर्धा में ऑल ओवर ट्रॉफी एस पब्लिक स्कूल भिवानी रोड लाहली ने जीती। जबकि दूसरे स्थान पर वैश्य पब्लिक स्कूल सेक्टर 3 की रही। तीसरे स्थान पर मेजबान टीम शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना रोड ने हासिल किया। बुनियाद शिक्षा सदन भालौठ ने ट्राफी जीती। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला खेल अधिकारी अनूप सिंह व प्रगति चाइल्ड केयर हॉस्पिटल के एमडी डॉ. विशाल रोहिल्ला ने किया। इस मौके पर रोप संघ के अध्यक्ष आजाद बुधवार भी रहे। स्पर्धा में गुलशन ने स्वर्ण पदक, जतिन ने रजत , प्रियांशु ने कांस्य पदक जीता। लड़कियों में विद्यांशी ने स्वर्ण , नव्या ने रजत , भाविका ने कांस्य, लड़कों के आयुवर्ग 12 में यशवीर ने स्वर्ण ,विशाल ने रजत , हैप्पी ने कांस्य हासिल किया। लड़कियों में ही दीपिका ने स्वर्ण , हर्षिता ने रजत , हिमांशी ने कांस्य प्राप्त किया। समापन समारोह पर रोहतक एसडीएम रोहतक आशीष वशिष्ठव सिटीएम अंकित कुमार मौजूद रहे।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
COMPUTER OPERATOR (F) 4
COMPUTER OPERATOR (M) 4
PHARMACY STAFF 3
CHEMIST SHOP STAFF 2
WARD BOY 2
GATE KEEPER 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
BHGYASHREE Bollywood Actors
DR. KAWATRA M. 9215161430
निःसंतान दम्पत्तियों
को शादी के सालों साल बाद जब हमारे ईलाज से उन दम्पत्तियों को संतान सुख प्राप्त हुआ, उन लाभार्थ दम्पत्तियों के नाम व पते हमारे पास सुरक्षित हैं।
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

खबर संक्षेप

पुरानी सब्जी मंडी से मोटरसाइकिल चोरी

महम। कस्बा महम की पुरानी सब्जी मंडी से एक मोटर साइकिल चोरी की वारदात सामने आई है। पुलिस को दी शिकायत में सीसर खास गांव निवासी रवि शर्मा पुत्र सीता राम शर्मा ने बताया कि उसने सुबह साढ़े 8 बजे अपनी काले रंग की सप्लेंडर मोटर साइकिल महम की पुरानी सब्जी मंडी में खड़ी की थी। दोपहर को 12 बजे जब उसने अपनी मोटर साइकिल देखी तो वहां पर नहीं मिली।

दो दिन बंद रहेगी खरीद गेहूं उठान पर रहेगा जोर

सांपला। गेहूं के जल्द से जल्द उठाने को लेकर दो दिन गेहूं की खरीद बंद रहेगी। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने खरीद एजेंसी व फसल ढुलाई करने वाली एजेंसी को सख्त निर्देश दिए। शनिवार को भी मंडी में खरीद नहीं की गई। केवल गेहूं का उठान किया है। बताया गया अब तक जो एजेंसी ने गेहूं खरीदा है उसका 35 प्रतिशत ही उठाना पाया है। गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा होने के कारण बारिश की भेंट चढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि धीमें उठान को लेकर मार्केट कमेटी सचिव दीपक कुमार ने एसडीएम के माध्यम से जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर हालात से अवगत कराया। डीसी ने खरीद एजेंसी के अधिकारियों को जल्द उठान करने के निर्देश दिए हैं।

इस बार गेहूं का बंपर उत्पादन लक्ष्य पूरा, उठान कार्य जारी

शनिवार शाम तक लक्ष्य से 1000 मीट्रिक टन गेहूं की ज्यादा हो चुकी खरीद

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

इस रबी के अनुकूल मौसम रहा तो कई साल बाद गेहूं की बंपर पैदावार हुई। जहां पहले प्रति एकड़ गेहूं का उत्पादन 20 क्विंटल मुश्किल से होता था। वहीं इस बार उत्पादन 22-23 क्विंटल तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि उत्पादन के स्टीक आंकड़े कुछ सम बाद कृषि विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। फिलहाल तक मंडियों में जिस हिसाब से अन्य सालों की अपेक्षा गेहूं की ज्यादा आवक हुई है, उससे अंदाजा है कि प्रोडेक्शन काफी अच्छा है।

शनिवार शाम तक 2 लाख 26 हजार मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी थी। जबकि टारगेट 2 लाख 25 हजार क्विंटल का था। अभी 15 मई तक खरीद और जारी रहनी है, ऐसे में उम्मीद है कि इस बार 2 लाख 80 हजार मीट्रिक टन तक गेहूं की खरीद पहुंच जाएगी।

2.80 लाख मीट्रिक टन खरीद की उम्मीद

2.25 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य इस बार निर्धारित किया गया था। शनिवार शाम तक 2.26 लाख खरीद की जा चुकी थी। उम्मीद है कि 15 मई तक 2.80 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो जाएगी। बीते सालों की अपेक्षा गेहूं का प्रति एकड़ उत्पादन 2-3 क्विंटल अधिक हुआ है।

-बिजेंद्र सिंह, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक रोहतक

6-7 हजार रुपये का प्रति एकड़ लाभ

इस बार तीस गांवों में मार्च के पहले सप्ताह में हुई भारी ओलावृष्टि हुई थी। जिसका मुआवजा अभी तक किसानों को मिला नहीं है। ओलावृष्टि के बाद आशंका होने लगी थी कि कहीं इस बार भी गेहूं खरीद का टारगेट सरकार पूरा नहीं कर पाए। लेकिन ये आशंका निराधार साबित हुई। वजह ये रही कि प्रति एकड़ उत्पादन में 2-3 क्विंटल की बढ़ोतरी इस बार हो गई। जिससे किसानों को भी 6-7 हजार रुपये प्रति एकड़ का लाभ प्रकृति ने कर दिया। ध्यान रहे किसाल 2023 में प्रशासन को गेहूं खरीद का टारगेट हासिल नहीं हुआ था। साल 2022 में समय से पहले तापमान बढ़ा। जिसकी वजह से गेहूं उत्पादन में 15-18 प्रतिशत कमी हुई।

2022 में कम हुआ था उत्पादन

जनवरी 2022 में हुई बेमौसमी बरसात ने गेहूं समेत रबी की दूसरी फसलों को नष्ट कर दिया। जिले से 1 लाख 50 हजार 211 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदारी की जा सकी थी। जबकि लक्ष्य अढ़ाई लाख मीट्रिक टन का था। पैदावार कम रहने का कारण था कि समय से पहले ही तापमान बढ़ गया। मार्च के अंतिम दिनों में ही लू चलने लगी थी। जिसके चलते फसल का पकाव कम हुआ। दाने के वजन में 15-18 प्रतिशत कमी कृषि वैज्ञानिकों ने दर्ज की थी।

10 प्रतिशत बची है फसल

चूंकि गेहूं कटाई का सीजन अप्रैल के पहले सप्ताह में शुरू होता है। और अब अंतिम सप्ताह बीत रहा है। ऐसे में बताया जा रहा है कि कटाई-कढ़ाई का कार्य अब 90-95 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। बावजूद इसके प्रशासन को उम्मीद है कि 40-50 हजार मीट्रिक टन गेहूं की आवक आने वाले दिनों में और हो जाएगी। शनिवार को 10-11 हजार मीट्रिक टन की आवक हुई है। अब आवक में दिन-प्रतिदिन कम होगी। हालांकि सरकार 15 मई तक गेहूं की खरीद करेगी।

इंडस स्कूल में अंतर्सदनीय 'स्पेल बी' प्रतियोगिता

रोहतक। विद्यार्थियों को संबोधित करतीं प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ हरिभूमि ने पर्यावरण बचाओ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को साप्ताहिक रचनात्मक 'स्पेल बी' प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों क्रमशः ब्यास, झेलम, रावी, सतलुज के कक्षा तीसरी से दसवीं तक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में चयनित उच्चतर ध्वनियों को निर्धारित समय सीमा में लिखना होता है। विद्यालय की चेयरपर्सन ने कहा कि स्पेल बी विद्यार्थियों की सामान्य वर्तनी की त्रुटियों को पहचानने और सुधारने में मदद कर उनके वर्तनी कौशल में सुधार करती है। रोहतक में हरिभूमि द्वारा पर्यावरण बचाए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 50 विद्यालयों से लगभग 600 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें इंडस पब्लिक स्कूल रोहतक की कक्षा नौवीं की छात्रा अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने कहा कि स्पेल बी एक शैक्षिक गतिविधि है जो छात्रों को उनकी वर्तनी कौशल में सुधार करने, नई शब्दावली सीखने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है। डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने कहा कि लेखन कौशल भाषाई अधिग्रहण में योगदान करते हैं। शिक्षण में अच्छे लेखन का बहुत महत्व है। जो संज्ञानात्मक व भाषाई कौशल में सुधार करते हैं।

रोहतक। विदाई समारोह में विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ।

एसजेके कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सत जींदा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर में शनिवार को एमए भूगोल विभाग के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, चुटकुले एवं शायरी की प्रस्तुति दी। समारोह का उद्घाटन कॉलेज प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ ने रिबन काट कर किया और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहते हुए भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए व विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मलेरिया से बचाव के लिए करौंथा में किया जागरूक

■ जीजीएसएस स्कूल में मलेरिया को लेकर नुक्कड़ नाटक किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्वास्थ्य विभाग द्वारा करौंथा के जीजीएसएस स्कूल में मलेरिया को लेकर नुक्कड़ नाटक किया गया। सिविल सर्जन डॉ. अनिल बिरला ने बताया कि ऐसे नुक्कड़ नाटक का मंचन जिले भर में किए जाएंगे। नाटक में छात्र दीपक ने मच्छर का रोल अदा करते हुए दिखाया कि किस प्रकार मच्छर हमें काटता है आगे एक नम्बरदार के घर का दृश्य दिखाते हुए बच्चों और ग्रामीणों को समझाया कि कहां मच्छर अंडे दे सकते हैं। नाटक से जानकारी दी कि बुखार आने पर स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपनी ब्लड स्लाइड बनवाकर मलेरिया बुखार का पता लगाना चाहिए। अगर वो पॉजिटिव आता है तो उसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जानी वाली 14 दिन के लिए आरटी करवाना चाहिए। प्राचार्य रश्मी, इंदु प्रभा, पूनम और मनोज सहरावत ने टीम का स्वागत फलदार पौधे से किया जिसे स्कूल प्रागण में रोपा गया। डॉ. जसमेर ने बताया कि जीवन दायनी नहरों को जाने अनजाने में प्रदूषित किया जा रहा है।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति करेगी आगामी संघर्ष का शंखनाद

रोहतक। पेंशन बहाली संघर्ष समिति जिला प्रधान अनिल स्वामी, जिला महासचिव संजय सिंहमार, जिला कोषाध्यक्ष रविकान्त धानक ने बताया कि 28 अप्रैल को स्वामी नित्यानंद पब्लिक स्कूल में संघर्ष समिति हरियाणा की राज्य व जिला कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल की अध्यक्षता में होगा। बैठक में सभी जिलों से पदाधिकारी भाग लेगें व विचार विमर्श के बाद प्रदेश में ओपीएस बहाली के लिए आगामी संघर्ष की रूपरेखा तैयार की जाएगी। प्रदेश के कर्मचारियों में मौजूदा सरकार द्वारा ओपीएस बहाली के लिए ठोस पहल न किए जाने की वजह से भारी नाराजगी है। प्रदेश के हजारों कर्मचारी पूर्व में पंचकुला व जींद में आयोजित ओपीएस संकल्प रैलियों में अपना व अपने परिवार का वोट ओपीएस बहाली के लिए डालने का संकल्प पहले ही ले चुके हैं। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण देशवाल, जिला उपप्रधान संजय राठी, जिला उपप्रधान ललित कुमार,मंजू राणा, सलाहकार डा अजय कादियान, संजीव भारद्वाज, संगठन सचिव सुमन, जिला कार्यकारिणी सदस्य राममेहर सिहाग, देवेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

एसजेके कॉलेज में संस्कृत सूक्ति लेखन व एड मेकिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सत जींदा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर में शनिवार को संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत सूक्ति लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सूक्ति लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आकांक्षा, द्वितीय पुरस्कार अनिता व तृतीय पुरस्कार प्रीति ने प्राप्त किया। डॉ. पूनम अधलखा व लक्ष्मी ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। सूक्ति लेखन प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृत विभागाध्यक्ष, डॉ. उमेश कुमार के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि संस्कृत भाषा भारत की आत्मा है। यही हमारी प्राचीन विद्याओं का मूल स्त्रेत है, हमारे ऋषि मुनियों का सम्पूर्ण ज्ञान देवभाषा संस्कृत में ही निहित है। साथ ही कॉलेज के वाणिज्य विभाग के द्वारा एड मेंकिग प्रतियोगिता काएड मेंकिग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार भूमि, द्वितीय पुरस्कार ने रेणु व तृतीय पुरस्कार मनीषा ने प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्कृत हमारी देवभाषा है, प्राचीन संस्कृत सूक्तियों से हमें जीवन में नैतिकता, धार्मिकता व आध्यात्मिकता की शिक्षा प्राप्त होती है। डॉ. गुरविन्द्र सिंह व कुमारी तरूणा ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का आयोजन वणिज्य के विभागाध्यक्ष, हरीश चन्द्र के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर डॉ. नीरज रानी, सीमा व कुमारी तान्या मौजूद रही।

रोहतक। विजेता विद्यार्थियों को बधाई प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ। फोटो: हरिभूमि

राजेंद्र नगर निवासी युवक के साथ करीब दो लाख रुपये की ठगी, फोनकर बताया रिश्तेदार

रोहतक। पुलिस हर रोज ऑनलाइन ठगी को लेकर जागरूक करती है। फिर भी ऑनलाइन ठगी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रही है। राजेंद्र नगर निवासी दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक अनजान व्यक्ति ने रिश्तेदार बनकर 26 अप्रैल को फोन किया और कहा कि अपने मौसी के लड़के की अस्पताल में पेमेंट करनी है, इसीलिए एक लाख रुपये भेज दीजिए। फिर आरोपित व्यक्ति ने गूगल पे नंबर बताया और फिर पांच बार में गूगल पे कर पैसे आनलाइन ट्रांसफर कर दिए। युवक ने पहले बार में 10 हजार, 25 हजार, 20 हजार व 19 हजार 500 व फिर 50-50 हजार की दो पेमेंट ट्रांसफर कर कुल एक लाख 99 हजार 500 रुपये आनलाइन भेज दिए। फिर शाम को पता चला कि मेरे साथ ठगी हुई है। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

रोहतक। राजकीय महाविद्यालय सांपला में जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में मौजूद प्राचार्य डॉ परम भूषण आर्य, स्टाफ और छात्र।

जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं, क्विज में सांपला तो पेंटिंग में नेकी राम कॉलेज रहा अव्वल

सांपला। राजकीय महाविद्यालय सांपला में शनिवार को स्टूडेंट लीगल लिटरेसी मिशन के तहत जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ परम भूषण आर्य ने किया और उन्होंने विद्यार्थी जीवन में कानूनी जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कानूनी रूप से जागरूक विद्यार्थी जिंदगी में सफलता की मंजिलें पा सकता है । विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। डॉ रोशन लाल रोहिला ने कार्यक्रम के संयोजक रहे। प्रतियोगिता में अर्ध सरकारी 14 कालेजों के करीब 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में एल एन हिंदू कॉलेज की लगन प्रथम रही, कविता पाठ में नेकीराम शर्मा राजकीय कॉलेज की अनुराग व पेंटिंग में विशाल प्रथम रहा। क्विज में राजकीय कॉलेज सांपला प्रथम रहा। निबंध लेखन में महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय से यशिका ने पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि स्लोगन राइटिंग में राजकीय महिला महाविद्यालय से पूजा प्रथम व वाद विवाद प्रतियोगिता में नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के निकुंज ने पक्ष में प्रथम व विपक्ष में मंदीप विजेता रहा।

जिला स्तरीय स्पर्धाओं में छाए जाट कॉलेज के विद्यार्थी

रोहतक। प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करती प्राचार्या डॉ. शबनम राठी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांपला में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में जाट कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। शनिवार को कॉलेज प्रांगण में पहुंचने पर प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई दी।

प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने बताया कि डीएचई द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्राध्यापिका डॉ. रेखा रानी की देख-रेख में भाग लिया। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं की डिबेट में छात्र जतीन मलिक ने दूसरा स्थान और छात्र अपराजित ने स्लोगन लेखन में द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं विद्यार्थी सोनू, खुशी व हिमांशु ने भी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतिस्पर्धाओं से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होता है। वहीं ये विजेता प्रतिभागी विद्यार्थी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्राइमरी शिक्षकों ने की ट्रेनिंग पूरी

सांपला। खेड़ी साध राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत चार दिवसीय ट्रेनिंग शनिवार को संपन्न हो गई। इस समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डायरेक्टर एससीईआरटी सुनील बजाज, जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दलजीत, खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा, खंड संसाधन समन्वयक जय भगवान, जिला एफएलएन कोऑर्डिनेटर रूपांशी हुड्डा भी पहुंची। इस ट्रेनिंग में खंड के 42 अध्यापकों द्वारा भाग लिया गया। समापन समारोह की शुरुआत खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा और खंड संसाधन समन्वयक जय भगवान द्वारा सभी अधिकारी गण का स्वागत करने और निपुण हरियाणा मिशन का उद्देश की हर बच्चा अपनी कक्षा अनुसार दक्षताओं के अनुरूप निपुण बने के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। डायरेक्टर एनसीईआरटी सुनील बजाज ने सभी अध्यापकों को हरवंश पजल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी और उन्हें बच्चों के साथ कक्षा कक्ष में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने सभी अध्यापकों को अभ्यास पुस्तिका पर अच्छे ढंग से समझ बनाने और उन्हें कक्षा कक्ष में प्रयोग करने के लिए बल दिया गया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दलजीत द्वारा समापन समारोह में सभी अध्यापकों द्वारा चार दिनों में बनाए गए सभी टीएलएम की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया और सभी अध्यापकों को अच्छा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता रैली निकाली

वाहनों को तय सीमा में चलाएं : प्रो. गुलशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा।

रक्त सड़कों पर नहीं, रगों में बहना चाहिए। वाहनों को तय सीमा में चलाएं और सडक़ सुरक्षा संबंधित नियमों का पालन करें। यह कहा है महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने। वे शनिवार को यूनिवर्सिटी आउटरिच प्रोग्राम के तत्वावधान में यूथ रेड क्रॉस समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी के सहयोग से सड़क सुरक्षा पर आयोजित जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा रहे थे।

कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कहा कि जीवन अनमोल है, इसे सडक़ हादसों से बचाएं। उन्होंने उपस्थित जन से सडक़ सुरक्षा संबंधित नियमों की महत्ता से अवगत करवाते हुए इनका पालन करने तथा आम जन में इस बारे में जागरूकता की अलख जगाने की बात कही। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने इस जागरूकता रैली के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए उनके इस प्रयास की सराहना की।

वाईआरसी कार्यक्रम समन्वयिका प्रो. अंजू धीमान, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. तिलक राज, एनसीसी कोआर्डिनेटर डॉ. विकास सिन्धु, यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम से डॉ. एकता नरवाल व डॉ. आरती, यूआईईटी से डॉ. दीपक, डॉ. ईशा, विनीत, रवीश, अरुण, अमित, वाईआरसी काउंसलर डॉ. कविता, डॉ. कपिल कौशिक, डॉ. रितू दहिया की अगुवाई में वाईआरसी, एनसीसी, एनएसएस, यूनिवर्सिटी आउटरिच वालंटियर्स तथा यूआईईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने एमडीयू परिसर में जागरूकता रैली निकाली और हेलमेट लगाने, सीट बेल्ट का प्रयोग करने समेत अन्य सड़क सुरक्षा नियमों बारे जागरूक किया।

रैली से पूर्व सीडीओई कांफ्रेंस हॉल में संचालित यूथ रेड क्रॉस समिति के स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर में वाईआरसी कंसल्टेंट एमसी धीमान ने सडक़ सुरक्षा को लेकर विशेष व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को सडक़ सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करने और इस बारे समाज को भी जागरूक करने की शपथ दिलवाई।

लिंगानुपात में सुधार के लिए तैयार करें कार्य योजना : एडीसी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह ने जिला के लिंगानुपात में सुधार करने के लिए वांछित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वैशाली सिंह जिला विकास भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग मिलकर लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए एक कार्य योजना बनाकर उस पर काम करें। अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह ने जिला में चल रहे एक सौ प्ले स्कूलों में से शेष बचे स्कूलों में भी पेयजल व शौचालय की समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर में आने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता प्रबंध किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की वन स्टॉप सेंटर पर पुलिस की स्थाई ड्यूटी लगाई जाए।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 28 अप्रैल 2024

स्पेशलः इंटरनेशनल डांस-डे, 29 अप्रैल

हाल के सालों में देश-विदेश में डांस को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बहुत उपयोगी गतिविधि माना जाने लगा है। यह तथ्य तो सही है ही, लेकिन डांस हमारे भीतर सकारात्मकता और संवेदनशीलता का संचार करता है, सौंदर्यबोध बढ़ाता है। डांस से हम बेहतर इंसान बनते हैं और जीवन को आनंद के साथ जीने के लिए आत्मप्रेरित भी होते हैं।

जीवन की लय पर पैरों की थिरकन

{ कवर स्टोरी / संध्या सिंह }

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी, जो कि एक गैरलाभकारी चिकित्सा संस्था है, उसके मुताबिक डांस यानी नृत्य गंभीर हृदय रोगी को भी जीवनदान दे सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डांस सामान्य जीवन की कितनी सकारात्मक गतिविधि है। समाजशास्त्रियों से लेकर मनोचिकित्सकों तक और हृदय रोग विशेषज्ञों से लेकर सामान्य लोगों तक का मानना है कि डांस हमारे फिट रहने का सबसे आसान और सरस तरीका है।

स्वास्थ्य के लिए संजीवनी

नृत्य अपने आप में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इसका महत्व इस लिहाज से बहुत ज्यादा होता है। हालांकि नृत्य की अपनी एक सामाजिक दुनिया भी है और वह कम प्रभावशाली या कम महत्व की नहीं है। लेकिन ज्यादातर आम लोगों के लिए नृत्य के सर्वाधिक फायदे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ही जुड़े होते हैं। आम लोगों के लिए नृत्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खजाने की तरह है। अमेरिकी हृदय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नृत्य को मांसपेशियों की ताकत, भावनात्मक सहन शक्ति और फिटनेस की अपार संभावनाओं वाला केंद्र मानते हैं। मेडिकल निष्कर्षों के मुताबिक डांस करने से 70 से 80 फीसदी तक हृदय बिना और कोई उपाय किए स्वस्थ रहता है। डांस करने से दो दर्जन लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे चिंता, डिप्रेशन, हाइपरटेंशन और एंजाइटी आपके पास नहीं फटकती हैं। रेग्युलर डांस करने वाले लोगों का शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तो बेहतर होता ही है, उन्हें कभी ऑस्टियोपोरेसिस का खतरा नहीं रहता। इससे फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कभी वजन भी नहीं बढ़ता है।

बढ़ती है संवेदनशीलता-सकारात्मकता

आज के दौर में नृत्य एक बड़ा कारोबार और कई रचनात्मक कलाओं का केंद्र भी बन गया है। जितने भी परफॉर्मिंग आर्ट हैं, डांस उन सबका सेंटर प्वाइंट है। लेकिन नृत्य के ये संदर्भ उन कुछ रचनात्मक लोगों से ही हैं, जो नृत्य के लिए समर्पित हैं और नृत्य की लय को जीवन की लय मानते हैं। डांस करने से आत्मविश्वास में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी होती है। यह आपकी संज्ञानात्मक मेधा में वृद्धि करता है। डांस करने से शरीर में एक लयात्मकता आती है और भरपूर लचीलापन न सिर्फ शारीरिक अंगों मे बल्कि स्वभाव और संवेदना में भी दिखता है। डांस नए दोस्त बनाने में मददगार होता है और हमारे भीतर रचनात्मकता, आत्म अनुशासन और सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता विकसित करता है।

यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है कि डांस हमारे भीतर सौंदर्यबोध को पैदा ही नहीं करता, उसमें वृद्धि भी करता है। इसीलिए माना जाता है कि एक डांसर की आंखें दुनिया का सृजन देखती हैं। अमेरिका में हुए एक शोध के मुताबिक प्रतिदिन एक घंटे डांस करने वाले लोग बहुत रेयरली किसी आपराधिक घटना में शामिल पाए जाते हैं। नियमित डांस करने वाले लोगों के दिल दिमाग में ऐसे हार्मोन पैदा ही नहीं होते, जो उन्हें किसी भी तरह की आक्रामकता या अपराध की तरफ उन्मुख करें। डांस में इस तरह की सकारात्मकता और संवेदना होती है, जो व्यक्ति को शांत और सौम्य बनाती है। हर डांस करने वाला व्यक्ति लगभग सभी रचनात्मक कलाओं में रुचि लेता है, क्योंकि डांस उसके मन की कंडीशन और 'स्टेट ऑफ माइंड' यानी मनःस्थिति को संवेदना से भर देता है।

एक लय में हो जाते हैं तन-मन

डांस करने वाले के दिमाग में कार्टीसोल नामक हार्मोन का स्तर बेहद कम होता है और ऑक्सीटोसिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है यानी फीलगुड हार्मोन की मात्रा बढ़ती है। इसीलिए इंसान द्वारा की जाने वाली सबसे खूबसूरत और खुशहाली से भरी गतिविधि डांस को माना जाता है। कहते हैं, डांस जानने वालों को संगीत की जानकारी स्वतः ही हो जाती है, क्योंकि डांस करने वालों का शरीर ही नहीं, मन भी लय में रहता है और लय संगीत के साथ सहजता से आत्मसात हो जाता है। दुनिया में डांस के अलावा दूसरी ऐसी कोई सक्रिय गतिविधि नहीं है, जिसमें तन और मन एक लय में हो जाते हों। इसीलिए डांस सीखने से कई अन्य कलाओं से भी लगाव बढ़ने लगता है। कहने का सार यही है कि डांस केवल एक कला नहीं, केवल स्वास्थ्य सुधारने का जरिया नहीं बल्कि जीवन को आनंद के साथ जीने की एक अद्वितीय शैली भी है। *

ऐसे हुई डांस-डे की शुरुआत

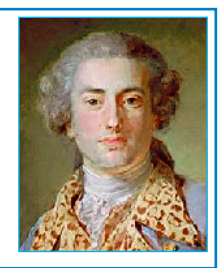

डांस के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस-डे मनाया जाता है, क्योंकि यह तारीख आधुनिक बैले डांस के जनक जीन-जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन है। 1727 को नोवरे इसी दिन पैदा हुए थे। इसलिए साल 1982 से इस दिन को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल नृत्य दिवस की एक थीम होती है और उस थीम का एक सांकेतिक महत्व होता है। जैसे साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की थीम थी-नृत्य दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीका। जबकि इस साल नृत्य दिवस की थीम है-थिएटर और शांति की संस्कृति यानी साल 2024 के नृत्य दिवस की थीम विश्व रंगमंच को समर्पित है।

{ फिटनेस / शिखर चंद जैन }

मस्ती वाला वर्कआउट डांसरसाइज

इन दिनों डांस के साथ एक्सरसाइज यानी डांसरसाइज का ट्रेंड बढ़ रहा है। इनके डिफरेंट टाइप्स के जरिए अनेक यंगस्टर्स मस्ती के साथ खुद को फिट रख रहे हैं। क्या है डांसरसाइज, आप भी जानिए।

गर्मी के दिनों में सूरज सुबह-सुबह ही तेज चमकने लगता है, इसलिए पसीने और गर्मी के डर से घर से बाहर जाकर वर्कआउट करने का मन अकसर नहीं करता है। लेकिन शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। ऐसे में आप घर में ही पंखा/कूलर चलाकर बोर हुए बिना फुल मस्ती के साथ डांसरसाइज कर सकते हैं।

जाज डांसिंगः सुडौल पैर, जांघें और कमर के लिए जाज डांसिंग आपके लिए परफेक्ट है। इसमें आपको लीप्स, किक्स और जंप्स लेने होते हैं, जिनसे पैरों और जांघों की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इससे न सिर्फ लचीलापन और शरीर का संतुलन दुरुस्त होता है बल्कि पोश्चर भी सही हो जाता है। इस डांस में हाथों के मूवमेंट भी खूब होते हैं, जिससे बाहों और हाथों का भी अच्छा वर्कआउट हो जाता है।

शिबामः 45 मिनट सेशन का यह डांस आधारित वर्कआउट विदेशों में सुपरहिट हो चुका है। इसमें लैटिन और हिप-हॉप साउंडट्रेक पर सिंपल डांस स्टेप्स परफॉर्म करने होते हैं। शिबाम की एक क्लास में 600 से ज्यादा कैलोरी तो बर्न होती ही है, साथ ही स्ट्रेस से भी राहत मिलती है। किसी कुशल ट्रेनर की देखरेख में इसकी कुछ क्लासेज अटेंड करने के बाद आप खुद ट्रेंड हो जाएंगे। शिबाम में डांस मूव्स को एरोबिक वर्कआउट के साथ ब्लेंड किया गया है। संगीत के साथ जब शरीर थिरकता है, तो आपको दोहरा लाभ मिलता है तन और मन दोनों फिट होते हैं। इस वर्कआउट से स्टेमिना और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ने के साथ-साथ ढेर सारी कैलोरी भी बर्न होती है। तीव्रता के साथ किए गए शिबाम से प्रति घंटे 800 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

जाज डांसिंग करते यंगस्टर्स

जुंबाः कोलंबियन फिटनेस एक्सपर्ट द्वारा डिजाइन किया गया यह वर्कआउट हमारे देश में भी खूब पॉपुलर हो रहा है। लैटिन म्यूजिक के साथ इसमें तरह-तरह के डांस फॉर्म्स का मिक्सचर है जैसे- सालसा, बेली डांसिंग, सोका, रिगेटन आदि। जुंबा कई प्रकार का होता है जैसे स्विमिंग पूल में एक्वा जुंबा किया जाता है। बच्चों के लिए जुंबा किड्स है और बुजुर्गों के लिए जुंबा गोल्ड है। तरह-तरह के डांस पर थिरकते हुए शरीर की अच्छी-खासी वर्जिश हो जाती है। दिलचस्प होने की वजह से इसे करने में मन भी लगा रहता है।

जुंबा डांसरसाइज करते यंगस्टर्स

पाइलेट्सः इसे मॉर्निंग वर्कआउट का हीरो कह सकते हैं। इसे एक जर्मन फिटनेस एक्सपर्ट ने शुरू किया था और 2005 के बाद से यह पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। कमजोर घुटनों और पीठ दर्द के लिए यह एक शानदार वर्कआउट है, जिसे चटाई पर लेटकर म्यूजिक के साथ किया जाता है। इससे कमर के नीचे का हिस्सा मजबूत होता है और इससे फ्लैक्सिबिलिटी आती है।

पाइलॉक्सिंगः स्वीडन के डांसर विविका जेनसन, जो बाद में पाइलेट्स ट्रेनर बन गए, ने इसकी शुरुआत की। पाइलेट्स और बॉक्सिंग का फ्यूजन है पाइलॉक्सिंग। पाइलॉक्सिंग नंगे पैरों से वजनदार ग्लव्स पहन कर की जाने वाली डांस एक्सरसाइज है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि इससे उनकी फिटनेस और कॉन्फिडेंस दोनों बढ़ते हैं।

बॉलीवुड डांसिंगः एक्सरसाइज करने का मन नहीं है और मूड ऑफ है, तो बस बॉलीवुड के मस्ती भरे जोशीले गाने चला लें और उन पर थिरकना शुरू कर दें। आप फील ही नहीं कर पाएंगे कि फुल मस्ती में नाचते-नाचते आपकी पूरी बॉडी में मूवमेंट्स हो रहे हैं और अनजाने में ही घंटे भर का वर्कआउट हो गया। डांस से बॉडी में लचीलापन भी आता है।

मसाला भांगड़ाः आपके दिल के लिए यह जबर्दस्त कार्डियो एक्टिविटी है। यंगस्टर्स के लिए यह एक शानदार और मस्ती भरा वर्कआउट प्लान है। इसमें पॉप और भांगड़ा डांस का फ्यूजन है। इसमें ढोल की बीट पर फास्ट मूवमेंट्स किए जाते हैं। यह एक इंटेंस डांस वर्कआउट है। *

{ ट्रेडिशन / अंजू जैन }

प्राचीन-बहुरंगी-भव्य भारतीय नृत्य परंपरा

भले ही आज देश-विदेश में नृत्य की अनेक शैलियां विकसित हो चुकी हैं। लेकिन अपने देश में नृत्य परंपरा बहुरंगी, भव्य और अत्यंत प्राचीन रही है। यहां के शास्त्रीय और लोकनृत्यों की छटा देखते ही बनती है।

हमारे देश में नृत्य और संगीत का न सिर्फ धर्म और अध्यात्म से गहरा नाता रहा है, पौराणिक काल से इसकी परंपरा भी बरकरार है। प्राचीन ग्रंथों में से एक 'सामवेद' को संगीत का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि का 'नाट्य शास्त्र' नृत्यकला का सर्वप्रथम और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इंद्र की सभा में मेनका आदि अप्सराओं द्वारा नृत्य किए जाने का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा सभ्यता में नृत्य करती हुई युवतियों की मूर्ति पाई गई है, जिससे साबित होता है कि उस काल में ही नृत्यकला का विकास हो चुका था। खजुराहो के मंदिर हों या कोणार्क के मंदिर, प्राचीन काल में निर्मित इन मंदिरों की दीवारों पर गंधर्वों की मूर्तियां अंकित हैं। उन मूर्तियों में लगभग सभी तरह के वाद्य यंत्रों और नृत्य भंगिमाओं को दर्शाया गया है। भगवान शिव के नृत्यरत नटराज स्वरूप के बारे में हम जानते ही हैं। उनका तांडव नृत्य भी सब जानते हैं। इसी तरह श्रीकृष्ण की रासलीला में भी नृत्य और संगीत का वर्णन मिलता है।

भरतनाट्यम

डांडिया

नृत्य का जनक है हमारा देशः हमारे देश के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। हमारे देश में नृत्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। भारत की नृत्य शैलियां दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दुनिया की कई नृत्य शैलियां तो हमारी प्राचीन नृत्यकला से ही प्रभावित हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार भारत में कई तरह की शास्त्रीय नृत्य शैलियां अलग-अलग राज्यों में विकसित हुई हैं जैसे- भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथक, कथकली, यक्षगान, कृष्णअट्टम, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम।

कुचिपुड़ी

भरतनाट्यमः यह नृत्य भारत के अति प्राचीन नृत्यों में शुमार है। इसका उल्लेख भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में भी मिलता है। मूलतः तमिलनाडु के भरतनाट्यम नृत्य में भाव, राग और ताल का संगम होता है। इस नृत्य में चेहरे के हाव-भाव, हाथ, पैर की गतिविधियां और मुद्राओं द्वारा भावनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है।

कथकः कथक का शाब्दिक अर्थ कथा होता है। प्राचीन काल में कथा यानी कहानी सुनाने वाले लोगों को कथक कहा जाता था। शुरुआत में यह नृत्य उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा मंदिरों में किया जाता था। यह नृत्य बालकृष्ण की लीलाओं, दंतकथा और अन्य पौराणिक कथाओं पर किया जाता है। इस नृत्य कला में चेहरे के हाव-भाव और मुद्राओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इस नृत्य में मुकुट के साथ-साथ चेहरे के श्रृंगार के लिए विविध रंगों का भी प्रयोग किया जाता है। रामायण तथा महाभारत की कथा पर भी यह नाट्य नृत्य किया जाता है।

कुचिपुड़ीः कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गांव का नाम है। इसी गांव में कुचीपुड़ी नृत्य का जन्म हुआ। शुरुआत में यह नृत्य केवल पुरुष ब्राह्मणों द्वारा ही भगवान को समर्पित किया जाता था और पुरुष ब्राह्मण ही महिला का रूप लेकर नृत्य करते थे। समय बदला तो महिलाएं भी कुचीपुड़ी नृत्य में हिस्सा लेने लगीं। इस नृत्य में शारीरिक संतुलन का कौशल प्रदर्शित किया जाता है। पानी से भरा हुआ घड़ा लेकर तथा पीतल की थाली की किनारी पर भी यह नृत्य किया जाता है।

मणिपुरीः यह नृत्यकला अन्य शास्त्रीय नृत्य कलाओं से भिन्न है। मणिपुरी नृत्य कला में पोशाक भी अन्य नृत्यकलाओं से भिन्न होती है। इसमें शरीर धीमी गति से थिरकता है। इसमें तांडव और रास्य दोनों का समावेश किया जाता है।

ओड़ीसीः कोणार्क के सूर्यमंदिर तथा भुवनेश्वर की प्राचीन गुफा की दीवारों में इस नृत्य के चित्र मिलते हैं। इस नृत्य की मुख्य मुद्रा त्रिभंग है जिसमें सिर, शरीर और पैर तीन हिस्सों में बांटकर नृत्य अभिव्यक्त किया जाता है। इस नृत्य में भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ, शिव और सूर्य की कथाएं नृत्य नाटिका से मंचित की जाती हैं।

लोकनृत्य की छटाः हमारे देश में तीज-त्योहारों या शादी-विवाह जैसे खुशी के मौकों पर भी नृत्य संगीत का आयोजन खूब किया जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार घूमर, गिंदड़, चरकुला, गेर, चंग, डांडिया, रम्मत, ढोल और पणिहारी जैसे लोक नृत्यों का खूब आनंद उठाया जाता है। लोग तरह-तरह के स्वांग लेकर नाचते-झूमते हैं और जश्न मनाते हैं। जनजातियों की जीवनशैली का हिस्सा इन लोक नृत्यों की भी छटा देखते ही बनती है। चिकित्सक इन्हें स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानते हैं। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ संगीतमय लयबद्ध थिरकन से मानसिक अवसाद से भी राहत मिलती है। *

{ गजल }
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

जागो फैसले की घड़ी है

सभी को सियासत में अपनी पड़ी है
मुसीबत जहां थी वहीं पे खड़ी है
किए जा रहे हैं फकत घोषणाएं
अभी पास सबके तिलिस्मी छड़ी है
अगर चाहते हो चमन में महकना
तो जागो जरा फैसले की घड़ी है
तुम्हारे मतों पर है कायम सिंहासन
सभी की नजर अब तुम्हीं पे गड़ी है
बहुत काम बाकी है अब भी वतन में
प्रशासन है ढीला व्यवस्था सड़ी है
न जाने कहां जोश हमको ले जाए
अभी दास्तां हसरतों से बड़ी है
इसे भूख से प्यास से क्या गिला हो
जो हीरे जवाहर कनक से जड़ी है
दिखा देंगे इकदिन तुम्हें अपना जौहर
हमारी नजर में भी पुख्ता कड़ी है
यहां से वहां तक हैं 'नवरंग' कांटें
बढ़े पांव जब भी विवशता अड़ी है

{ लघुकथाएं }

अपना हित

भोला सुबह-सुबह काम की तलाश में घर से निकल चुका था। वह रोज दिहाड़ी मजदूरी करता है। इसी मजदूरी से उसके घर का चूल्हा जलता है। आज भी वह रोज की तरह घर से कुछ दूरी पर बने उस ठिकाने पर आकर खड़ा हो गया, जहां से शहर के लोग दिहाड़ी मजदूर लेकर जाते हैं। भोला यह सोच ही रहा था कि पता नहीं आज काम मिलेगा या नहीं? तभी वहां सफेद कुर्ता-पाजामा पहने एक व्यक्ति आया, भोला से बोला, 'तुम लोग आज के दिन भी मजदूरी करने जा रहे हो। यह तो गलत बात है।' 'क्यों गलत बात है?

आज ऐसा क्या है, जो हम मजदूरी नहीं कर सकते हैं?' भोला ने पूछा। 'आज श्रमिक दिवस है। इसे मई दिवस भी कहते हैं। यह तुम जैसे मजदूरों को अपने अधिकारों और हितों को समझने का दिन है। मैं तुम्हारे हित के लिए आया हूं। चलो हमारे साथ सामने वाले पार्क में, वहां एक बड़ी सभा है। एक बड़े नेताजी आ रहे हैं, उनका भाषण है। नेता जी तुम्हारे अधिकारों के बारे में बताएंगे। तुम्हारे हितों की बात करेंगे।' वह व्यक्ति बोला। भोला उस आदमी से बोला, 'अच्छा तो तुम हमारे हित के लिए आए हो। हम मजदूरों का हित तो अपनी मजदूरी करने में है। अगर आज हम काम नहीं करेंगे तो हमारे घर चूल्हा नहीं जलेगा।

हमारे बीवी-बच्चे भूखे रह जाएंगे। नेता जी के भाषणों से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा, हमारा पेट नहीं भरेगा। हमें मालूम है, चुनाव आ गए हैं। इस सभा में नेता जी जो बोलेंगे, उसके पीछे हमारा नहीं, उनका हित होगा। इतने सालों में नेता जी हम मजदूरों के हित की बात करने नहीं आए, अब चुनाव के समय उन्हें हमारी सुधि आई है। क्षमा करें श्रीमान जी, हम आपके नेता जी का भाषण सुनने नहीं जा पाएंगे।' यह सुनकर वह व्यक्ति चुपचाप वहां से चला गया। *

- ललित शौर्य

कच्चे पपीते

सुनो जी, ये इतने ढेर सारे कच्चे पपीते क्यों ले आए? घर में कोई पपीते पसंद नहीं करता। इनका मैं क्या करूं?' पत्नी ने झल्लाते हुए पति से कहा।

'अरे! भाग्यवान इनकी सब्जी बना लो या हलवा बना लो।' पति बोले। 'तुम्हें तो पपीते की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं है, हलवा बच्चे पसंद नहीं करते। मुझे समझ नहीं आया कि जब घर में कोई कच्चा पपीता पसंद नहीं करता तो तुम बेवजह इतने ढेर सारे कच्चे पपीते लेकर ही क्यों आए?' पत्नी और ज्यादा झल्लाकर बोली। 'सच बात बताऊंगा, तुम गुस्सा तो नहीं करोगी? वो क्या है कि सड़क किनारे एक वृद्धा कच्चे पपीते बेच रही थी।

वह किसी महिला से कह रही थी, बहन जी, पपीते ले लो। दो दिन से मेरे घर चूल्हा नहीं जला है। कम दाम में ले लो। किंतु उसका पपीता उसने क्या, किसी ने भी नहीं खरीदा। मुझे उस पर दया आ गई। मैंने उस वृद्धा से पूछा- माता जी, ये पपीते कितने पैसे में देंगी? तो वह बोली-बेटा, जो उचित लगे दे दो। भगवान तुम्हारा भला करेगा। क्या करूं बेटा, बहुत गरीब हूं। घर पर दो-चार पपीते के पेड़ हैं। वही जीने का सहारा हैं। पके पपीते कुछ दिन पहले बेचे थे। उससे दो दिन घर में चूल्हा जला, लेकिन अब पके पपीते नहीं हैं तो कच्चे ही तुड़वा कर लाई हूं ताकि मेरी छोटी सी पोती को खाने को भोजन मिल जाए। वो भी दो दिन से भूखी है। बहू-बेटे दो साल पहले कोरोना में नहीं रहे। तब से जैसे-तैसे गुजारा कर रही हूं। बस मैंने उसके सारे पपीते सौ रुपए में खरीद लिए।' पति ने डरते हुए सारी बात पत्नी से कह दी। यह सुनकर पत्नी भी दुखी होकर बोली, 'ओह! बेचारी गरीब वृद्धा को सौ नहीं दो सौ रुपए दे देना था ताकि वे लोग भरपेट खाना खा पाते।'

पति यह सुनकर पत्नी का मुंह देखते ही रह गए। *

- डॉ. शैल चंद्रा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

जीतने की जिद

एक व्यक्ति की आवाज किस तरह उसकी जिंदगी के सारे फैसलों को नियंत्रित कर सकती है। खुशियों के सारे दरवाजे बंद कर सकती है। हीनभावना से भर सकती है। दोस्तों के आगे शर्मिंदा कर सकती है। आत्महत्या तक पहुंचा सकती है, इसका अंदाजा भगवंत अनमोल के उपन्यास 'गेरबाज' को पढ़कर लगा सकते हैं। अपनी बात को समय पर सही ढंग से न बोल पाना भी पीड़ादायक हो सकता है, यह आप इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे। इस किताब में लेखक ने बड़ी सूक्ष्मता से एक हकलाने वाले व्यक्ति की मनोदशा और उसके जीतने की जिद को चित्रित किया है। यह हकलाहट की समस्या पर लिखा गया एक पठनीय उपन्यास है। *

पुस्तकः गेरबाज (उपन्यास), **लेखकः** भगवंत अनमोल, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पेंगुइन स्वदेश), गुरुग्राम

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

गर्मी की छुट्टियों में अधिकतर लोग कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते ही हैं। अगर आप नेचर लवर हैं और एडवेंचरस ट्रैवलिंग का मजा लेना चाहते हैं तो इस बार जंगल सफारी के लिए जा सकते हैं। अपने घर से निकटतम किसी राष्ट्रीय उद्यान का चयन करें और निकल पड़ें। लेकिन इस दौरान आपको सफारी से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान भी रखना होगा।

अगर आप कर रहे हैं जंगल सफारी की प्लानिंग

एडवेंचर ट्रैवेलिंग / विवेक कुमार

भारत की अद्वितीय जैवविविधता की प्रसिद्धि हमारे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में है। हर साल पूरी दुनिया से लाखों पर्यटक यहां घूमने के लिए आते हैं। पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, भारत के जंगलों में दुनिया के दुर्लभतम जानवर पाए जाते हैं। इन घने जंगलों, घास के मैदानों और दलदलों में स्थित भारत के जंगलों में देखने के लिए बहुत कुछ होता है। लोग यहां की सफारी करते हैं।

निर्देशों का पालन है जरूरी

अगर आप भी गर्मी की इन छुट्टियों में कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो जंगल की सफारी का भी मजा ले सकते हैं। इसके लिए हालांकि पहले से बुकिंग करानी होती है और इसके कुछ नियम कायदे कानून होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। हर

जंगल सफारी में अनुभवी गार्ड और पार्क के अधिकारियों द्वारा जो सुरक्षा निर्देश जारी किए जाते हैं, उनके बारे में पर्यटकों को पहले से अवगत कराया जाता है। उनकी जरा सी भी अनदेखी पर्यटकों के लिए ही नहीं बल्कि वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा साबित हो सकती है।

व्यक्तिगत गाड़ी से जाना प्रातिबंधित

जंगल सफारी के लिए सबसे पहला नियम तो यह है कि जंगल के भीतर आप अपना पर्सनल वाहन नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए जंगल प्रशासन द्वारा ही गाड़ी मुहैय्या कराई जाती है। सफारी के दौरान रंग-बिरंगे ड्रेसेस पहनने की बजाय ब्राउन और ग्रीन कलर की ड्रेसेस, जो वहां के वातावरण से मेल खाते हैं, उन्हें ही पहनकर जाना चाहिए। सफारी के दौरान गाड़ी से बाहर नहीं निकलना चाहिए। जानवरों को नजदीक से देखने का मोह नहीं पालना चाहिए। सफारी की गाड़ी खुली होती है, जिसमें आप इत्मीनान से जंगली जानवर को देख सकते हैं।

जानवरों के नजदीक जाने से बचें

हालांकि यह जरूरी नहीं कि आपको जानवर पास से देखने को मिलें, क्योंकि सफारी द्वारा जंगल के भीतर जो रास्ता बनाया जाता है, उसी सड़क पर चलना होता है। इन रास्तों को पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को मदेनजर रखते हुए बनाया जाता है। गाड़ी से बाहर निकलकर जानवर को नजदीक से देखने के चक्कर में या उसको करीब से फोटो लेने से भी बचना चाहिए। जंगल की सफारी में फ्लैश फोटोग्राफी की अनुमति नहीं दी जाती, क्योंकि कैमरे की फ्लैश से जानवर परेशान हो सकते हैं और वो घबराकर आप पर हमला भी कर सकते हैं। सफारी में किसी भी तरह का हथियार लेकर जाने की भी मनाही होती है। सफारी का उद्देश्य वन्यजीवों को दूर से देखना होता है। उनको बहुत करीब से देखने के चक्कर में उनके पास नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इससे वे डर सकते हैं। यदि आपके साथ गाइड है तो आप उसे ज्यादा करीब ले जाने के लिए दबाव न डालें। सफारी से उतरकर इधर-उधर पैदल ना घूमें। इससे आप रास्ता भटक सकते हैं।

जानवरों को ना करें परेशान

जानवरों को देखकर उन्हें आवाजें लगाने से उनका प्राकृतिक व्यवहार बिगड़ सकता है। उनके पास जाकर अनावश्यक शोर नहीं करना चाहिए, ना ही संगीत बजाना चाहिए। तेज आवाज वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की मनाही होती है। यदि आपको जानवर पास से दिखाई दे तो उन्हें खाने के लिए कुछ नहीं दें। इससे उनको स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

पर्यावरण का रखें ध्यान

जंगल में खाने के लिए आप जो भी सामान लेकर जाते हैं, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, पानी की बोतलें, चिप्स के पैकेट इन सबका कूड़ा वहां ना छोड़कर आएं बल्कि इन्हें अपने साथ लाएं। जंगल में रहने वाले स्थानीय आदिवासियों से भी अनावश्यक मेल-मिलाप ना करें। उनकी तस्वीर उनकी अनुमति के बगैर ना लें। आदिवासियों की संस्कृति और रीति-रिवाजों का सम्मान करें। यहां बताए गए नियमों का ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही आपकी जंगल सफारी शानदार और हमेशा यादगार रहेगी। *

राज्य के अनुसार प्रमुख जंगल सफारी

- जवाई बांध तेंदुआ संरक्षण रिजर्व, राजस्थान
- काबिनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, कर्नाटक
- जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान, केरल
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक
- ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र

युवाओं में बढ़ रहा ई-बाइक्स का क्रेज

बेहतरीन फीचर्स, अट्रैक्टिव, कॉम्पैक्ट, स्पोर्टी, फंकी लुक और ट्रेंडी डिजाइंस के कारण ई-बाइक्स आजकल युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। इनकी खूबियों और आने वाले दौर में इनके ट्रेंड पर एक नजर।

ऑटो ट्रेंड / वी. कुमार

आज से कुछ साल पहले तक मोटर बाइक्स के मार्केट में ई-बाइक्स की डिमांड न के बराबर थी और युवाओं को तो ये ई-बाइक्स बिल्कुल भी पसंद नहीं आती थीं। लेकिन अब ई-बाइक्स को लेकर यंगस्टर्स की राय काफी बदल रही है।

यंगस्टर्स की बदल रही सोचः वैसे तो ई-बाइक्स हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं, लेकिन चूंकि बाइक्स ज्यादातर युवा चलाते हैं, इसलिए यह कहना सही होगा कि युवाओं को ये ज्यादा पसंद आ रही हैं। आंकड़ों की बात करें, तो ऑटो मोबाइल को लेकर युवाओं की पसंद-नापसंद पर नजर रखने वाली एक प्रसिद्ध अमेरिकी बिजनेस वेबसाइट के अनुसार- आज अमेरिका में 67 फीसदी ई-बाइक्स के मालिक पुरुष हैं और 33 फीसदी की महिलाएं। इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि अमेरिका में जितनी भी ई-बाइक्स पिछले तीन सालों में बिकी हैं, उनमें 63 फीसदी के मालिक 18 से 44 साल के युवा हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिकी युवाओं को किस कदर पेट्रोल-फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं। गौरतलब है कि सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया भर के युवाओं में ई-बाइक्स का क्रेज बढ़ा है।

पेट्रोल बाइक्स से बना रहे दूरीः पहले यह माना जाता था कि पॉवर और स्पीड के मामले में जो खूबी पेट्रोल वाहनों को हासिल है, वह इलेक्ट्रिक वाहनों को नहीं हासिल होगी। इसलिए यह अनुमान लगा लिया गया था कि आने वाले सालों में युवाओं को ई-बाइक्स पसंद नहीं आएंगी। लेकिन अब व्यावहारिक सच्चाई बदल चुकी है। आजकल ई-बाइक्स निर्माता दिन-ब-दिन इसके नए और अपडेटेड वर्जंस लांच कर रहे हैं। ऐसे में युवा-वर्ग इसकी ओर खासे आकर्षित हो रहे हैं। आज के युवा ई-बाइक्स को पेट्रोल बाइक्स के बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

लुक्स-फीचर्स भी हैं अट्रैक्टिवः ई-बाइक्स को फीचर्स के मामले में भी अब अट्रैक्टिव माना जाने लगा है। देखा जाए तो ई-बाइक्स के जितने खूबसूरत, ट्रेंडी और फंकी डिजाइंस पिछले दो सालों में आए हैं, उतने डिजाइंस तो कभी पेट्रोल-बाइक्स में भी नहीं आए। युवाओं द्वारा ई-बाइक्स पसंद किए जाने का एक कारण इनका अल्ट्रामॉडर्न लुक भी है।

बढ़ रही है स्पीडः पहले यह माना जा रहा था कि ई-बाइक्स की रफ्तार बहुत कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं है। हालांकि अभी तक इनकी रफ्तार अधिकतम 50 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही है लेकिन उम्मीद है कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार वाली ई-बाइक्स अमेरिका और यूरोप में आ जाएंगी। आने वाले सालों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ई-बाइक्स भी सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

लगती हैं कंफर्टेबलः ई-बाइक्स, पेट्रोल-बाइक्स की तुलना में हल्की होती हैं, इसलिए ये युवाओं के साथ-साथ हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को पैडलिंग ई-बाइक्स भी खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, इनमें मोटर और बैटरी दोनों होती हैं, पर अगर दोनों ही काम न कर रहे हों तो पैडल मारने की सुविधा भी होती है। इन खूबियों के साथ पर्यावरण और भविष्य की चिंताओं से सरोकार रखने वाले युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग के लोग पेट्रोल-बाइक्स के बेहतर विकल्प के तौर पर ई-बाइक्स को खूब पसंद कर रहे हैं।

और बढ़ेगा ट्रेंडः पिछले कुछ सालों में अमेरिका ई वाहनों का हब बनकर उभरा है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास ई-बाइक्स होंगी। ई-बाइक्स दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन हैं। यहां तक कि बिक्री के मामले में ये इलेक्ट्रिक कारों से भी बहुत आगे हैं। भारत के संदर्भ में अगर भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की भविष्यवाणी पर यकीन करें तो अगले पांच सालों में भारत में सभी तरह के वाहनों में करीब 30 फीसदी से ज्यादा ई-वाहन होंगे। इसलिए अगर आज युवाओं को पेट्रोल फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं तो मानना होगा कि वे भविष्य पर नजर रख रहे हैं। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

ताजगी दे रसभरा तरबूज

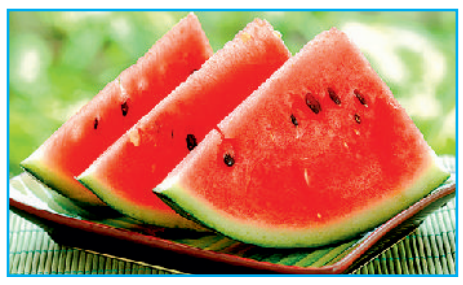

तीरा यानी तरबूज, बेल वाले पौधे में लगने वाला फल है। तरबूज यानी गर्मी में तन को तरावट देने वाला फल। यह गर्मी के मौसम में बालू वाली भूमि पर पैदा होता है। भारत में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार आदि प्रदेशों में भी यह बहुतायत से उत्पन्न होता है। नदियों की बलुई जमीन में इसकी बेल, आसानी से उग आती है। तरबूज खाने से प्यास शांत होती है और लू नहीं लगती है।

कहां हुई इसकी उत्पत्तिः तरबूज दुनिया में आया कहां से, इसको लेकर बहुत मतभेद हैं। भारत के लोग दावा करते आए हैं कि तरबूज हमारे देश का देशज फल है। दुनिया के लोग अभी तक इसे सूडान का फल मानते रहे हैं। सफेद गूदे वाले तरबूज के फल सूडान के जंगलों में पाए जाते थे, जो जानवरों को खिलाने के काम आते थे और कम मीठे होते थे। ईरान में लाल गूदे वाले तरबूज पाए जाते थे और माना जाता था कि ईरान के रेगिस्तान में तरबूज की उत्पत्ति हुई है लेकिन 3300 वर्ष पूर्व मिस्र के तूती खामीन के मकबरे में तरबूज के बीज मिले थे तो माना गया कि तरबूज की उत्पत्ति मिस्र में हुई होगी। फिर 4300 वर्ष पूर्व की एक पेंटिंग मिस्र के एक गुंबद में मिली, जिसमें एक तश्तरी में कटे हुए तरबूज के लाल रंग की फांके के चित्र बने हुए हैं। इस आधार पर लोग मानने लगे कि मिस्र के लोग लाल गूदे वाले मीठे तरबूज के बारे में बहुत पहले से जानते थे। आज तरबूज पूरी दुनिया में प्यास बुझाने के लिए गर्मियों का एक प्रमुख फल है।

मौजूद प्रमुख तत्वः एक पके तरबूज में 90 प्रतिशत जल, 0.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0.3 प्रतिशत वसा, 0.3 प्रतिशत खनिज तत्व, 4 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और लोहा भी पाया जाता है। तरबूज के बीजों में 52 प्रतिशत तेल, 34 प्रतिशत प्रोटीन और अन्य तत्व होते हैं। बीजों की तासीर शीतल होने के कारण शरबत और लस्सी को बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

कई रोगों में उपयोगीः तरबूज के बीज की गिरी मूत्र रोग में रामबाण है और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करती है। नियमित तरबूज खाने से पेट की खराबी में राहत मिलती है। सूखी खांसी के मरीज को लाभ मिलता है और उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है। जोड़ों के दर्द में यह उपयोगी है। यह रक्त वर्धक भी होता है। लेकिन तरबूज अधिक नहीं खाना चाहिए। *

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही अलग-अलग जॉनर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। लेकिन उनमें से जिस जॉनर की फिल्में दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उनमें सस्पेंस-थ्रिलर प्रमुख हैं। किस तरह ये फिल्में दर्शकों को अंत तक बांधे रखती हैं, अब तक की सबसे चर्चित सस्पेंस फिल्में कौन-सी रही हैं, इन पर एक नजर।

दर्शकों को भाती हैं खूब क्लाइमेक्स पर चौंकाने वाली फिल्में

फिल्मी पर्दे पर दर्शक अलग-अलग रंग देखते रहे हैं। उन्हीं में से एक रंग है फिल्म के अंत का रोमांच बनाकर रखना। शुरुआती दौर में इन फिल्मों के क्लाइमेक्स को इतना रोचक बनाया जाता था कि दर्शक समझ नहीं पाता कि ऐसा कैसे संभव है? ऐसी फिल्मों का अंत कुछ ऐसा होता था, जो देखने वालों को चौंकाता था। इनके कथानक को कुछ इस तरह रचा जाता था कि दर्शक उसके आकर्षण में फंस जाते थे। वे कहानी के ट्विस्ट की असलियत समझ नहीं पाते और जब राज खुलता तो ऐसा पात्र संदेहों से घिरा मिलता, जिस पर किसी की नजर नहीं जाती थी। सस्पेंस फिल्मों में चौंकाने वाले इस तरह के अंत का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

नया नहीं थ्रिलर का क्रेजः पुराने दौर से लेकर अब तक कई थ्रिलर फिल्में आती रही हैं, लेकिन सभी दर्शकों को बांधने में सफल नहीं हो पाईं। याद वही फिल्में रहती हैं, जिन्होंने अपनी पटकथा और डायरेक्शन का जादू दिखाया। पुरानी फिल्मों में 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'इत्तेफाक', 'गुमनाम' और आज के दौर की 'ए वेडनस-डे', 'बदला', 'हमराज', '100 डेज' के बाद आयुष्मान खुराना की फिल्म 'अंधाधुन' और अजय देवगन की दोनों 'दृश्यम' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनके क्लाइमेक्स ने दर्शकों को चौंकने पर मजबूर कर दिया था। 'अंधाधुन' ने तो एक नया ट्रेंड बना दिया। इसमें एक अंधे आदमी का किरदार काफी रहस्यमय था। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है। इस पूरी फिल्म में अच्छा-खासा सस्पेंस बनाकर रखा गया।

विजय आनंद ने की शुरुआतः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हिंदी फिल्मों में मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस फिल्मों की शुरुआत का श्रेय विजय आनंद को जाता है। उन्होंने 'तीसरी मंजिल' और 'ज्वेल थीफ' उस दौर में बनाने की हिम्मत की, जब दर्शकों को ऐसी कहानियों का अंदाजा भी नहीं था। पर, विजय आनंद ने दर्शकों पर अपना जादू चलाया और उनकी ऐसी कई फिल्में पसंद की गईं। उन्होंने ऐसे कई प्रयोग किए, जो सस्पेंस से लबरेज थे।

दर्शकों को भाती हैं ऐसी फिल्मेंः सस्पेंस और थ्रिलर हमेशा ही दर्शकों का पसंदीदा फिल्म जॉनर रहा है। उन्हें ऐसी सस्पेंस फिल्में ही ज्यादा पसंद आती हैं, जिसके अंत के बारे में सारे अनुमान गलत निकलें। फिल्म के क्लाइमेक्स में ऐसा शख्स सामने आए, जिसका दर्शकों ने अनुमान भी नहीं लगाया हो! ऐसी ही फिल्में दर्शकों को बांधने वाली होती हैं। इसीलिए दर्शक सस्पेंस, थ्रिलर और मर्डर मिस्ट्री देखना पसंद करते हैं। हालांकि ये तीनों ही अलग-अलग शैलियां हैं। थ्रिलर फिल्मों में एक्शन होता है, लेकिन सस्पेंस नहीं। उनमें सस्पेंस की घटनाएं होती हैं, जिनका राज धीरे-धीरे खुलता रहता है। सस्पेंस फिल्म में न तो रहस्य जरूरी है और न एक्शन। इनमें चौंकाने वाले सीन ज्यादा होते हैं, जो दर्शक को सोचने का मौका भी नहीं देते। मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर फिल्में एक जैसी नहीं होती हैं। दोनों का ट्रीटमेंट अलग-अलग होता है। सस्पेंस फिल्मों में राज धीरे-धीरे खुलते हैं पर, मिस्ट्री फिल्मों में सिर्फ एक राज होता है, जिस पर से फिल्म के अंत में पर्दा उठता है। पूरी कहानी अनजान हत्यारे की खोज पर आधारित होती है। संदेह के लिए कई पात्रों को निशाने पर रखा जाता है। कभी फिल्म के नायक, नायिका या सबसे शरीफ पात्र के भी कातिल होने के हालात निर्मित किए जाते हैं। यानी दर्शकों को बांधने और उनका ध्यान बांटने के लिए कई हथकंडे रचे जाते हैं। दर्शकों को भी वही सस्पेंस फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं, जो उन्हें चौंका दें। 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'कत्ल' के बाद 'गुप्त' ऐसी ही रोचक फिल्में थीं, जिसके अंत का अंदाजा अनुमान से अलग था।

ये फिल्में रही हैं चर्चितः रामगोपाल वर्मा की 'कौन' को बॉलीवुड की बेस्ट साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म कहा जाता है। यह पूरी फिल्म घर में बंद एक लड़की (उर्मिला मातोंडकर) की कहानी है, जो अजनबी (मनोज बाजपेयी) से बचने की कोशिश में रहती है। लेकिन, फिल्म का क्लाईमेक्स दर्शकों के होश उड़ा देता है। इसी तरह की फिल्म 'फोबिया' भी थी, जिसमें राधिका आप्टे ने काम किया। बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोइराला की 'गुप्त' बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर फिल्म थी। इसमें अंत तक किसी का ध्यान नहीं जाता और खलनायिका काजोल निकलती है। विद्या बालन की 'कहानी' और 'कहानी-2' दोनों ही फिल्में दर्शकों को अंत तक कुर्सी से बांधकर रखती हैं। 'बदला' को भी मर्डर मिस्ट्री फिल्म माना जाता है। इसे अंत तक देखने के बाद ही समझ आता है कि आखिर सच्चाई क्या है?

हाल के वर्षों में आई सस्पेंस फिल्मों में 'दृश्यम' सीरीज सबसे अच्छी मानी जा सकती है। इसमें अपराधी सामने होता है, लेकिन न तो पुलिस उसे पकड़ पाती है और न दर्शकों को समझ आता है कि उसने ये सब किया कैसे होगा?

इन्हें भी किया दर्शकों ने पसंदः यहां ऊपर जिन फिल्मों का जिक्र किया गया उनके अलावा कुछ और फिल्में जैसे- 'मेरा साया', 'धुंध', 'अपराधी कौन', 'कब क्यों और कहां', 'वो कौन थी', 'डिटेक्टिव व्योमकेश बक्शी', 'भूल-भुलैया', 'तलवार' का भी जादू दर्शकों पर जमकर चला। *

मेल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी के मौसम में अधिकतर यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ ट्रेंडी भी हों। यही वजह है कि इन दिनों चिनो शॉर्ट्स यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं। इनकी खासियतों के बारे में आप भी जानिए।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं कंफर्टेबल चिनो शॉर्ट्स

गर्मी के मौसम में हम सभी ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल हो और जिसमें गर्मी का अहसास भी कम हो। ये दोनों खूबियां चिनो शॉर्ट्स में मौजूद होती हैं, इसीलिए यंगस्टर्स इन्हें काफी पसंद करते हैं। चिनो शॉर्ट्स, शुद्ध सूती कपड़े के बने होते हैं। यानी इनका फैब्रिक, कपास (कॉटन) से बना होता है। इसलिए गर्मी के मौसम में पहनने के लिए चिनो शॉर्ट्स परफेक्ट माने जाते हैं।

वैरायटीज हैं बहुतः वैसे तो चिनो शॉर्ट्स में आपको कलर्स और डिजाइन की बहुत वैरायटीज मिल जाएंगी लेकिन इस साल खाकी चिनो शॉर्ट्स ट्रेंड में हैं। वैसे आप अपनी पसंद के किसी दूसरे कलर का चिनो शॉर्ट्स भी ले सकते हैं। वैरायटी की लंबी रेंज की वजह से ही यंगस्टर्स ही नहीं हर एज ग्रुप के लोग इसे पहन सकते हैं। देश-विदेश में कई ब्रांडेड कंपनियां चिनो शॉर्ट्स बनाती हैं। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया में इन दिनों युवाओं के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शॉर्ट्स, चिनो शॉर्ट्स ही हैं।

ऐसे करें टीमअपः यह कहना गलत नहीं होगा कि चिनो शॉर्ट्स पिछले कुछ समय से युवाओं की ग्लोबल फेवरेट बॉटम वियर बन गए हैं। इन्हें टैक्सीडो जैकेट और फ्लिप-फ्लॉप डेक शूज के साथ या फिर लूज टी-शर्ट या स्निकर के साथ टीमअप किया जा सकता है।

नॉर्मल शॉर्ट्स से हैं अलगः चिनो शॉर्ट्स के फैब्रिक और डिजाइन के कारण ये नॉर्मल-ट्रेडिशनल शॉर्ट्स से अलग होते हैं। वैसे तो नॉर्मल शॉर्ट्स की तरह चिनो शॉर्ट्स भी थिन कॉटन टवील फैब्रिक से बने होते हैं। लेकिन थोड़ी इलास्टिसिटी के लिए इनमें तीन से पांच फीसदी तक नॉनकॉटन मैटीरियल भी मिलाया जाता है।

होते हैं कंफर्टेबलः चिनो शॉर्ट्स कई देशों समेत अपने देश में भी इसलिए तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में हमारी त्वचा को जब चिपचिपाहट और उसम के कारण अनकंफर्टेबल फील होता है, तब चिनो शॉर्ट्स वियर करना बहुत कंफर्टेबल लगता है। चिनो शॉर्ट्स का लाइट और सॉफ्ट फैब्रिक न सिर्फ घर में फुर्सत के समय बल्कि सफर के दौरान भी पहनना आरामदायक होता है। चिनो शॉर्ट्स पहनने में जो बात सबसे अच्छी महसूस होती है, वह होती है फ्री बॉडी मूवमेंट। इसे पहनकर आप आराम से किसी भी दिशा में झुक सकते हैं, मूव कर सकते हैं। ये

बिल्कुल शरीर की गतिविधियों के मुताबिक अपने आप एडजस्ट हो जाते हैं। इसलिए इन्हें पहनने में सुविधा महसूस होती है। चिनो शॉर्ट्स का डिजाइन भी अट्रैक्टिव होता है। इसलिए इसे पहनकर स्मार्ट फीलिंग भी आती है।

जब सेलेक्ट करें शॉर्ट्सः इन दिनों गर्मी का मौसम है। इस दौरान अगर आप चिनो शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे कॉटन फैब्रिक के ही बने हों। एक और बात ध्यान रखनी चाहिए कि शॉर्ट्स बहुत लूज या बहुत हैवी नहीं होने चाहिए। पहनने में आपको कंफर्टेबल फील होना चाहिए। अगर घूमने, फिरने के दौरान शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो ध्यान रखें ये थिन, लूज और कैजुअल बीच शॉर्ट्स होने चाहिए। वैसे चिनो शॉर्ट्स ज्यादातर गर्मियों में पहने जाते हैं, लेकिन 12 से 30 सेंटीमीटर लंबे ये शॉर्ट्स किसी भी अन्य मौसम में भी पहने जा सकते हैं। *